दैनिक
इंटरनल न्यूज
सच की तह तक....
internalnews@gmail.com
www.internalnews.com
वर्ष : 11 | अंक : 318 | पृष्ठ : 08 | मूल्य 1 रूपये | भोपाल, बुधवार 11 फरवरी 2026 | RNI NO. MPHIN/2015/61965

सूविचार

दीपक के प्रकाश की तरह अच्छे काम की ख्याति भी चारों और फैलती है।

तीन लाख से अधिक कर्मचारियों के परिजनों को मिलेगा फायदा: मोहन कैबिनेट का फैसला

परिवार पेंशन के अंतर्गत अब तलाकशुदा बेटी भी पेंशन की हकदार होगी

भोपाल। मोहन यादव कैबिनेट ने वित्त वर्ष 2026-27 के बजट पर चर्चा के साथ प्रदेश में 2005 के बाद नियुक्त किए गए कर्मचारियों की परिवार पेंशन को लेकर कर्मचारी हित में फैसला किया है। कैबिनेट ने नेशनल पेंशन स्कीम में यह सुविधा दी है कि परिवार पेंशन के अंतर्गत अब तलाकशुदा बेटी भी पेंशन की हकदार होगी। अब तक यह व्यवस्था एमपी के कर्मचारियों के लिए लागू नहीं थी। 2005 के पहले नियुक्त कर्मचारियों के परिवारजनों को इस सुविधा का लाभ मिल रहा था, लेकिन 2005 के बाद नियुक्त कर्मचारियों के परिजन इससे वंचित थे।

मोहन कैबिनेट के इस फैसले से तीन लाख से अधिक कर्मचारियों के परिजनों को पेंशन योजना के प्रावधान में किए गए बदलाव का फायदा मिलेगा। मंत्री चैतन्य काश्यप ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि कैबिनेट ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा (राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली का कार्यान्वयन) नियम 2026 तथा मध्यप्रदेश सिविल सेवा (राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के अंतर्गत उपदान का संदाय) नियम 2026 का अनुमोदन किया है। यह नियम 1 अप्रैल 2026 से प्रभावशील होंगे। नियम के प्रकाशन के लिए वित्त विभाग को अधिकृत किया गया है। बताया गया कि पेंशन पा रहे कर्मचारी की मृत्यु की दशा में परिवार पेंशन का प्रावधान किया गया है। इसमें स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति और ई-सेवा पुस्तिका संबंधी प्रावधान किया गया है। साथ ही केन्द्र तथा मध्यप्रदेश शासन की पूर्व सेवाओं को जोड़ा जाएगा। निलंबन अवधि में अभिदाता तथा नियोक?ता के अंशदान का प्रावधान किया गया है।

इसके साथ ही राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के अंतर्गत अंशदान की दर, गणना एवं विलंब की स्थिति में उत्तरदायित्व निर्धारण के साथ सेवानिवृत्ति, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र एवं मृत्यु की दशा में निकास प्रावधान किया गया है। विभागीय जांच की अवधि में नियोक?ता के अंशदान का भुगतान रोका जाना, सेवानिवृत्ति के तीन माह

पूर्व अभिदाता अंशदान रोका जाना और सेवानिवृत्ति उपरांत विभागीय जांच संस्थित किए जाने का प्रावधान के साथ नियमों के निवर्तन और शिथिलीकरण के संबंध में राज्य शासन की शक्ति के प्रावधान शामिल है।

कैबिनेट ने उच्च न्यायालय और जिला न्यायालय के आईटी संवर्ग में कम्प्यूटर आपरेटर के रूप में कार्यरत कर्मचारियों को तकनीकी संवर्ग की चालू और भविष्य में होने वाली भर्ती प्रक्रियाओं में भाग लेने के लिए सिर्फ एक बार के लिए आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट की स्वीकृति दी गई। वर्तमान में अनारक्षित वर्ग के लिए 40 वर्ष और आरक्षित वर्ग के लिए 45 वर्ष की आयु सीमा तय है।

कैबिनेट द्वारा वर्ष 2026-27 से वर्ष 2030-31 तक जनजातीय कार्य और महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की निरंतरता के लिए 7,133 करोड़ 17 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृति अनुसार जनजातीय कार्य विभाग की पीवीटीजी आहार अनुदान योजना के लिए 2,350 करोड़ रुपए, एकीकृत छात्रावास योजना के लिए 1,703 करोड़ 15 लाख रुपये, सीएम राइज विद्यालय योजना के लिए 1,416 करोड़ 91 लाख रुपए, आवास सहायता योजना के लिए 1,110 करोड़ रुपए के साथ ही माध्यमिक शिक्षा मण्डल को शुल्क की प्रतिपूर्ति, अनुसूचित जाति जनजाति के अभ?यार्थियों को छात्रवृत्ति, कक्षा-9वीं की छात्रवृत्ति के लिए 522 करोड़ 8 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त महिला एवं बाल विकास की मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना के लिए 31 करोड़ 3 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रदेश को सकारात्मक परिणाम मिले हैं। मातृ मृत्यु दर 173 से घटकर 142 और शिशु मृत्यु दर 41 से घटकर 37 हो गई है। टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में मध्य प्रदेश देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल है। सिकल सेल उन्मूलन के लिए प्रदेश में व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं।

आयुष्मान योजना के तहत उपचार उपलब्ध कराने में मध्य प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। एयर एंबुलेंस सेवा और राहवीर योजना के क्रियान्वयन में भी निरंतर प्रगति हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी जिलों में विक्रमोत्सव और गुड़ी पड़वा का पर्व उल्लास और उत्साह के साथ मनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इसके तुरंत बाद प्रदेश में जल गंगा अभियान शुरू किया जाएगा, जो तीन महीने तक चलेगा। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को अपने-अपने जिलों में अभियान की गतिविधियों के सुव्यवस्थित संचालन के लिए आवश्यक समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के समक्ष आज को वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट प्रस्तावों का प्रस्तुतीकरण किया गया। मंत्रालय में हुई बैठक में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, मुख्य सचिव अनुराग जैन, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी और वित्त विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने बजट प्रस्तावों को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बेहतर बताते हुए कहा कि प्रस्तावों में सभी क्षेत्रों और वर्गों के विकास तथा कल्याण का ध्यान रखा गया है।

संक्षिप्त समाचार

एक ही परिवार के पांच सदस्यों ने जहर खाकर दी जान

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के महावन तहसील के अंतर्गत ग्राम खप्पर पुर में एक ही परिवार के पांच सदस्यों ने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खाकर सामूहिक आत्महत्या कर ली। मृतकों में 35 वर्षीय किसान मनीष, उनकी प ी सीमा, दो बेटियां हनी और प्रियांशी, तथा मात्र 2 वर्षीय बेटा पंकज शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, रविवार की रात या सोमवार की सुबह यह घटना हुई, जब परिवार के सभी सदस्य घर के अंदर ही मृत पाए गए। पुलिस ने मौके से एक सुसाइड नोट बरामद किया है। इसके अलावा घर की दीवार पर स्पष्ट रूप से लिखा मिला-'अपनी इच्छा से आत्महत्या कर रहा हूं'। पुलिस ने सभी शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में जहरीले पदार्थ के सेवन से मौत की पुष्टि हुई है। जानकारी के मुताबिक मनीष की शादी करीब आठ साल पहले सादाबाद के मड़नई गांव की रहने वाली सीमा से हुई थी। परिवार में मनीष के दो अन्य भाई भी हैं, जो गांव में ही अलग-अलग घरों में रहते हैं। मनीष अपनी प ी और तीन बच्चों के साथ इस मकान में रह रहा था। आत्महत्या के पीछे की वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। आर्थिक तंगी, पारिवारिक विवाद या कोई अन्य गंभीर समस्या हो सकती है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है। वहीं तंत्र-मंत्र का चक्क र भी सामने आ रहा है। पुलिस ने आस-पास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है और मोबाइल फोन, सुसाइड नोट तथा अन्य सबूतों की जांच कर रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अफसर मौके पर पहुंचे।

सुनेत्रा पवार ने औपचारिक रूप से कार्यभार संभाला

मुंबई। महाराष्ट्र की नई उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने औपचारिक रूप से अपने पद का कार्यभार संभाल लिया। पदभार ग्रहण से पहले उन्होंने दिन की शुरुआत आस्था और श्रद्धा के साथ की। वह एनसीपी के वरिष्ठ नेताओं प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे और अन्य सहयोगियों के साथ मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचीं और दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने दादर स्थित चैत्यभूमि जाकर डॉ. भीमराव आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं पदभार संभालते समय भावुक क्षण तब देखने को मिला, जब सुनेत्रा ने उपमुख्यमंत्री कार्यालय में बैठने से पहले दिवंगत डिप्टी सीएम अजित पवार की कुर्सी को सिर झुकाकर प्रणाम किया। यह दृश्य वहां मौजूद नेताओं और अधिकारियों के लिए भी बेहद भावनात्मक रहा। इस घटनाक्रम को सुनेत्रा पवार की अपने दिवंगत पति के प्रति श्रद्धा और सम्मान के रूप में देखा जा रहा है। सुनेत्रा ने 31 जनवरी को उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। इससे पहले 28 जनवरी को पुणे के बारामती में हुए विमान हादसे में डिप्टी सीएम अजित पवार का निधन हो गया था। उनके अचानक निधन के बाद उपमुख्यमंत्री पद रिक्त हो गया, जिसे बाद में उनकी प ी सुनेत्रा पवार को सौंपने का निर्णय लिया गया। एनसीपी और गठबंधन के नेताओं का कहना है कि यह फैसला केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और नैतिक आधार पर भी लिया गया है। सुनेत्रा पवार लंबे समय से सामाजिक और सार्वजनिक जीवन से जुड़ी रही हैं और बारामती क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाती रही हैं। पार्टी नेतृत्व को उम्मीद है कि वह इस जिम्मेदारी को संवेदनशीलता और मजबूती के साथ निभाएंगी।

सांसद पप्पू यादव को मिली जमानत, नहीं आएंगे जेल से बाहर

पटना। पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव को गर्दनीबाग मामले में कोर्ट से जमानत मिल गई है। शुक्रवार देर रात उनको गिरफ्तारी किया गया था। कोर्ट में जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद उन्हें राहत दे दी गई। पप्पू यादव को 31 साल पुराने जमीन विवाद में बेल टूटने के कारण गिरफ्तार किया था और वे पटना की बेऊर जेल में बंद थे। सोमवार को उनकी जमानत याचिका दाखिल होनी थी, लेकिन पटना कोर्ट में बम की धमकी मिलने के बाद कामकाज रोक दिया गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पप्पू यादव फिलहाल जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, उपद्रवियों ने कई घरों को आग के हवाले किया

इंफाल। मणिपुर में नई सरकार के गठन के महज एक सप्ताह बाद ही हालात फिर बिगड़ते दिख रहे हैं। उखरुल जिले के लिटन सरेइखोंग गांव में हिंसा भड़क उठी, जहां उपद्रवियों ने कई घरों को आग के हवाले किया। घटना के बाद प्रशासन ने एहतियातन पूरे क्षेत्र में पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं निलंबित की हैं।

जानकारी के अनुसार, लिटन सरेइखोंग गांव में यह हिंसा तांगखुल और कुकी जनजातियों के बीच हाल ही में हुई झड़प के बाद सामने आई है। आगजनी की घटना के बाद गांव और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। स्थिति को काबू में रखने के लिए सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है।

मणिपुर सरकार में मंत्री गोविंददास कोंथौजम ने बताया कि हिंसा के दौरान करीब 21 घरों को जलाया गया है। उन्होंने कहा कि हालात फिलहाल तनावपूर्ण बने हुए हैं, लेकिन प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। मंत्री के अनुसार, किसी भी नई घटना को रोकने के लिए इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजा हैं और शांति बहाली के प्रयास हो रहे हैं।

बच्चों का ब्रेनवॉश किया जा रहा, देश की सुरक्षा में गंभीर खतरा, सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई नहीं

शिक्षा प्रदान करने वाले सभी संस्थानों को पंजीकृत करने के निर्देश देने की मांग

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को धर्मनिरपेक्ष या धार्मिक शिक्षा प्रदान करने वाले सभी संस्थानों को पंजीकृत करने के निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से मना किया है। दरअसल यह याचिका अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने अनुच्छेद 32 के तहत दायर की थी, जिसमें 14 वर्ष तक के बच्चों को शिक्षा देने वाले संस्थानों पर राज्य की निगरानी और पंजीकरण अनिवार्य करने का अनुरोध किया गया था।

याचिकाकर्ता वरिष्ठ वकील उपाध्याय ने मांग की कि अनुच्छेद 30, अनुच्छेद 19(1)(जी) और अनुच्छेद 26(ए) के संबंध में स्पष्ट व्याख्या दी जाए कि धार्मिक शिक्षा देने वाले संस्थान सीधे अनुच्छेद 26 के तहत आते हैं, न कि अनुच्छेद 30 के तहत।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की पीठ, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एस.सी. शर्मा ने याचिकाकर्ता उपाध्याय को उचित प्रतिनिधित्व के साथ अधिकारियों से संपर्क करने की स्वतंत्रता दी और याचिका वापस लेने की अनुमति दी। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को बच्चों की शिक्षा देने वाले संस्थानों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाने का निर्देश भी दिया। याचिका पर सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकर नारायणन ने बताया कि इलाहाबाद और केरल हाईकोर्ट ने विपरीत निर्णय दिए हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बिना मान्यता वाले संस्थानों को चलने की अनुमति दी, जबकि केरल हाईकोर्ट ने इसतरह के संस्थानों को बंद करने का आदेश दिया। याचिका में बच्चों के ब्रेनवॉश होने की गंभीर चिंता जाहिर की गई थी। अधिवक्ता ने कहा कि बच्चे किसी राष्ट्र के विकास की रीढ़ होते हैं, लेकिन उनकी कम उम्र और अनुभवहीनता के कारण वे आसानी से प्रभावित हो सकते हैं।

कांग्रेस नेता गोगोई और बघेल पर हिमंत सरमा ने किया 500 करोड़ का मानहानि केस

गुवाहाटी। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गौरव गोगोई, भूपेश बघेल और जितेंद्र सिंह अलवर के खिलाफ 500 करोड़ रुपए का मानहानि केस किया है। एक्स पर एक पोस्ट में सीएम सरमा ने कहा कि यह उन पर लगाए गए झूठे, गलत इरादे वाले और बदनाम करने वाले आरोपों के सिलसिले में फाइल किया है। उन्होंने दोहराया कि वह राजनीतिक दबाव या पब्लिक हमलों से नहीं डरेंगे। उन्होंने कहा कि हिट-एंड-रन पॉलिटिक्स का जमाना खत्म हो गया है। अगर उनमें जरा भी हिम्मत या सबूत हैं, तो उन्हें हर आरोप को कोर्ट में साबित करें। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केस फाइल करने से कुछ दिन पहले सीएम हिमंत सरमा ने ऐलान किया था कि वह आरोपों को लेकर कांग्रेस नेताओं के खिलाफ लीगल एक्शन लेंगे, जिससे उनके सिविल और क्रिमिनल दोनों तरह के उपाय करने के इरादे का इशारा था। सीएम सरमा ने कांग्रेस लीडरशिप पर मिलकर बदनामी करने और पॉलिटिकल ड्रामा करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह हमला गांधी परिवार के कहने पर किया गया था। उन्होंने कहा कि विपक्ष को पर्सनल बुराई के बजाय मुद्दों और गवर्नेंस पर फोकस करना चाहिए।

भारत-अमेरिका ट्रेड समझौते पर अखिलेश का तंज, डील नहीं, ढील हुई

नई दिल्ली। लोकसभा में बजट सत्र के दौरान समाजवादी सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि कांग्रेस सांसद शशि थरूर अभी बोल रहे थे। उन्होंने काफी आंकड़े गिनाए, उसी से मिलते-जुलते आंकड़े मेरे पास भी हैं। उन्होंने कहा कि बजट आने से पहले और बजट आने के बाद पूरे देश में अमेरिका से डील को लेकर चर्चा हो रही थी। बीजेपी ने दावे किए कि हमने दुनिया में कई देशों से फ्री ट्रेड डील की है। मैं सरकार से जानना चाहूंगा कि कितने देश बचे हैं, जिनसे फ्री ट्रेड डील नहीं कर सके हैं। कुछ लोग रुपये को लेकर उम्र पर सवाल उठाते थे, इस डील के बाद रुपया कहां जाएगा। यही डील करनी थी, तब पहले ही क्यों नहीं कर ली गई। ये डील नहीं, ढील हुई है।

अखिलेश यादव ने बजट को दिशाहीन बताकर कहा कि इसमें गरीब, पिछड़े, दलित के लिए कुछ नहीं है।

हम इतने बजट ला रहे हैं, लेकिन हमारी पर कैपिटल इनकम नहीं बढ पा रही। मोदी सरकार को कम से कम फ्री राशन पाने वालों की पर कैपिटल कमाई बताना चाहिए। यूपी जैसे प्रदेश की डबल इंजन की सरकार को बहुत कुछ कहा जाता है। यूपी के लिए कोई खास योजना ऐसी नहीं आई है, जिससे यूपी के 25 करोड़ लोगों को मुख्य धारा से जोड़ा जाए। यूपी से प्रधानमंत्री आते हैं, भारत सरकार के बजट से कोई भी एक्सप्रेसवे नहीं बना है। जो बने भी हैं, उस क्वालिटी के नहीं हैं, जैसे विकसित भारत की क्वालिटी होनी चाहिए। अखिलेश ने मोदी और योगी सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के नाम से कोई एक्सप्रेसवे बन रहा था। बनने के साथ-साथ उसका नाम भी बदल दिया।

बीजेपी असुविधाजनक सच्चाई को फेलने से रोकने और दबाने की कोशिश कर रही

नई दिल्ली। पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे के अप्रकाशित किताब को लेकर संसद में जारी गतिरोध के बीच, राहुल गांधी ने सरकार और पुस्तक के प्रकाशक पेंगुइन पर हमला बोला। उन्होंने दावा किया है कि संस्मरण सार्वजनिक डोमेन में हैं और बीजेपी पर आरोप लगाया कि वह असुविधाजनक सच्चाई को फैलने से रोकने के लिए इसे दबाने की कोशिश कर रही है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद मीडिया से बात में आरोप लगाया कि यह पुस्तक ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजन पर उपलब्ध है, जिसे पेंगुइन ने सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने पत्रकारों को सेना के एक पूर्व प्रमुख द्वारा 2023 में की गई एक एक्स पोस्ट भी दिखाई, जिसमें उन्होंने लोगों से 2020 में गलवान झड़पों में हुई घटनाओं का विवरण देने वाले संस्मरण पढ़ने का आग्रह किया था। राहुल गांधी ने कहा कि नरवणे ने 2023 में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट किया था।

संसद

सदन के महासचिव को जांच के लिए भेजा

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ आया अविश्वास प्रस्ताव

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को सदन के महासचिव को उनके खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस की जांच करने और उचित कार्रवाई करने का निर्देश दे दिया है। इसकी जानकारी सूत्रों के हवाले से सामने आई है। कांग्रेस ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस जमा किया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, मंगलवार दोपहर 1ः14 बजे विपक्ष ने नियम 94 सी के तहत अध्यक्ष बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का

नोटिस प्रस्तुत किया है। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, इस अविश्वास प्रस्ताव पर कुल 118 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। सूत्रों ने बताया कि विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष के आचरण को खुले तौर पर पक्षपातपूर्ण बताकर आरोप लगाया है कि विपक्षी दलों के नेताओं को सदन में बोलने का अवसर नहीं मिल रहा है। अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस में अध्यक्ष के खिलाफ चार घटनाओं का उल्लेख किया गया है। इसमें प्रमुख रूप से यह आरोप शामिल है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने की अनुमति नहीं मिली। राहुल गांधी ने इस दौरान चीन के साथ 2020 के सैन्य गतिरोध का उल्लेख करते हुए पूर्व थल सेनाध्यक्ष जनरल एमएम नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा का हवाला दिया था। इसके अलावा, विपक्ष ने आठ सांसदों के निलंबन, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा पूर्व प्रधानमंत्रियों पर किए गए आपत्तिजनक और व्यक्तिगत हमलों, तथा अध्यक्ष बिरला के उस बयान पर भी आपत्ति जाहिर की है, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से किसी अप्रिय घटना की आशंका के चलते सदन में न आने का आग्रह किया था।

16 फरवरी से शुरू होगा विधानसभा का सत्र

अधिकारियों को समय पर उत्तर तैयार करने के निर्देश

मंडला। मध्यप्रदेश विधानसभा का सत्र 16 फरवरी 2026 से प्रारंभ हो रहा है।सत्र को लेकर जिला प्रशासन ने सभी विभागों को आवश्यक तैयारियाँ समय पर पूर्ण करने के निर्देश जारी किए हैं।निर्देशों के अनुसार, समस्त कार्यालय प्रमुख अपने अधीनस्थ अमले को अवगत कराएं तथा प्राप्त होने वाले विधानसभा प्रश्नों के उत्तर समय-सीमा में तैयार कर उत्तर पोर्टल के माध्यम से ई-उत्तर संबंधित विभाग को भेजें।इसके साथ ही भेजे गए उत्तरों की एक प्रति कार्यालय में भी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएगी।

विधानसभा सत्र के दौरान अवकाश के दिनों में भी विधानसभा प्रश्न कार्यालय, कलेक्टर से प्राप्त प्रश्नों को संकलित करने एवं उनके उत्तर जमा कराने के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों की ड्यूटी लगाते हुए इन कर्मचारियों के नाम एवं मोबाइल नंबर कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

साथ ही विभाग एवं कार्यालय प्रमुखों को मोबाइल चालू रखने,जिला प्रशासन के निरंतर संपर्क में रहने तथा जिला कलेक्टर की अनुमति के बिना अवकाश पर नहीं जाने और मुख्यालय नहीं छोड़ने के निर्देश भी दिए गए हैं।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि विधानसभा सत्र से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

इटारसी पुलिस ने अंधे कत्ल का किया सनसनीखेज खुलासा

करीब 2000 सीसीटीवी फुटेज खंगालकर बिहार से आरोपी गिरफ्तार, शादी के दबाव और शक के चलते की थी हत्या

इटारसी। शहर के नागपुर रेलवे लाइन आउटर स्थित यार्ड रोड के पास मिले अज्ञात महिला के शव के मामले में इटारसी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझा ली है। पुलिस ने करीब दो हजार सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालते हुए तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को बिहार से गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने हत्या करना स्वीकार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार दिनांक 06 जनवरी 2026 को फरियादी आविद पिता जावेद खान (32 वर्ष), निवासी नाला मोहल्ला इटारसी ने सूचना दी कि नागपुर रेलवे लाइन आउटर के पास एक अज्ञात महिला का शव पड़ा है। सूचना पर मर्ग क्रमांक 04/2026 धारा 194 बीएनएसएस के तहत मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई। जांच के दौरान प्रथम दृष्टया हत्या की पुष्टि होने पर थाना इटारसी में अपराध क्रमांक 17/2026 धारा 103(1) बीएनएस के तहत अज्ञात आरोपी के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा अनुविभागीय अधिकारी

(पुलिस) इटारसी के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल से लेकर रेलवे स्टेशन और आसपास के क्षेत्रों के लगभग 2000 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। साइबर सेल द्वारा संदिग्ध गतिविधियों वाले स्थानों का तकनीकी डाटा एकत्र कर उसका गहन विश्लेषण किया गया।

सीसीटीवी फुटेज में एक संदिग्ध युवक महिला के साथ दिखाई दिया। फुटेज के आधार पर संदिग्ध का छायाचित्र तैयार कर विभिन्न स्थानों व सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित किया गया। तकनीकी साक्ष्यों एवं मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर एक पुलिस टीम बिहार राज्य के जिला रोहतास थाना कच्छवा रवाना की गई, जहां संदिग्ध को हिरासत में लिया गया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम रिजवान पिता नेहलउद्दीन खान (24 वर्ष), निवासी रामपुर भरेथा थाना कच्छवा जिला रोहतास (बिहार) बताया। थाने लाकर सख्ती से पूछताछ करने पर उसने हत्या करना स्वीकार कर लिया। आरोपी ने बताया कि मृतका का नाम रिहाना खातून पिता जासीन खान, निवासी वार्ड क्रमांक 13 पीरूपुरब मोहल्ला भोजपुर (बिहार) है।

पुलिस के अनुसार मृतका और आरोपी पास-पास के गांव के निवासी थे और पिछले एक-दो माह से महाराष्ट्र के चंद्रपुर में रह रहे थे। मृतका आरोपी पर शादी का दबाव बना रही थी, जबकि आरोपी उससे विवाह नहीं करना चाहता था। इसी बीच आरोपी को संदेह हुआ कि मृतका किसी अन्य व्यक्ति से भी बातचीत कर रही है और संबंध में है।

विगत माह 04 जनवरी को दोनों चंद्रपुर से अपने-अपने गांव जाने के लिए निकले और इटारसी रेलवे स्टेशन पहुंचे। यहां आरोपी ने मृतका को समझाने का प्रयास किया, लेकिन मृतका ने शादी नहीं करने पर गांव जाकर शिकायत करने की बात कही। इसी बात से क्षुब्ध होकर आरोपी ने उसे सुनसान स्थान पर ले जाकर हत्या कर दी।

पुलिस ने आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया, जहां से महत्वपूर्ण साक्ष्य संकलन हेतु 12 फरवरी 2026 तक पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया है।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) नर्मदापुरम ने पूरे घटनाक्रम की समीक्षा करते हुए बताया कि इस जघन्य हत्याकांड के खुलासे में तकनीकी साक्ष्य, साइबर विश्लेषण और जमीनी स्तर की सतत निगरानी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं, पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) महोदय द्वारा भी इस प्रकरण में तत्परता दिखाने वाली टीम को प्रोत्साहित करते हुए पुरस्कृत किए जाने के निर्देश जारी किए गए हैं।

सराहनीय भूमिका : आरक्षक क्रमांक 749 राजकुमार झपाटे थाना इटारसी एवं आरक्षक संदीप यादुवंशी (सायबर सेल) की विशेष भूमिका रही।

महत्वपूर्ण सहयोग : निरीक्षक गौरव सिंह बुंदेला एवं थाना इटारसी का समस्त स्टाफ, एसडीओपी कार्यालय इटारसी का स्टाफ, थाना प्रभारी पथरोटा उपनिरीक्षक संजीप पंवार, साइबर सेल नर्मदापुरम की टीम, आरपीएफ थाना इटारसी के आरक्षक निर्मल पटेल एवं प्रहलाद कुमरे तथा रक्षित केंद्र हरदा के आरक्षक मनीष मेहतो का उल्लेखनीय योगदान रहा। एसपी ने बताया कि इस पूरे मामले में अपनी अहम भूमिका निभाने वाली पुलिस टीम को 21,000 रुपये का नगद इनाम दिया जाएगा। यह इनाम पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) महोदय के निर्देश पर स्वीकृत किया गया है। पुलिस की तत्परता और तकनीकी दक्षता से अज्ञात महिला की हत्या का मामला सुलझने पर क्षेत्र में संतोष व्यक्त किया जा रहा है।

प्रशासनिक कार्यों में गति व गुणवत्ता लाए : कलेक्टर

मुरैना। कोई भी पात्र व्यक्ति निर्वाचन सूची से वंचित न हो, यह सभी अधिकारी सुनिश्चित करें। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचक नामावली का निर्माण प्राथमिकता के साथ किया जाए। अपार आईडी निर्माण का कार्य युद्ध स्तर पर किया जाए। आंगनबाड़ी केंद्रों पर दो समय मिड डे मील उपलब्ध करवाया जाए। खसरा नकल की भौतिक प्रतियां उपलब्ध कराकर राजस्व अधिकारियों द्वारा सैचुरेशन स्तर तक कार्य पूर्ण कराया जाए। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा यह ध्यान रखा जाए कि कोई भी आवेदन लंबित न रहे। टीएल पत्रकों पर विशेष ध्यान देते हुए समय-सीमा में निराकरण किया जाए। आधार अद्यतन कार्य शिविरों के माध्यम से निरंतर जारी रखा जाए। यह निर्देश कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार, मुरैना में आयोजित बैठक के दौरान अधिकारियों को दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कमलेश कुमार भार्गव, अपर कलेक्टर श्री अश्विनी कुमार रावत, समस्त एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर सहित समस्त जिला अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य की समीक्षा की गई। उन्होंने निर्देश दिए कि समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बीएलओ एप के माध्यम से नोटिस का शत-प्रतिशत वितरण आज ही सुनिश्चित करें तथा 12 फरवरी तक समस्त कार्य पूर्ण किया जाए। उन्होंने समस्त जनपद पंचायत सीईओ, सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों को 12 फरवरी तक एसआईआर के कार्य अतिरिक्त रूप से संपादित करने के निर्देश देते हुए कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए।

निर्यात प्रोत्साहन के लिए संभाग-स्तरीय जागरूकता कार्यशालाओं का होगा आयोजन

भोपाल। प्रदेश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम को निर्यात संबंधी नियम-कायदों की जानकारी देने के लिए आगामी 13 फरवरी से प्रदेश के 7 संभागों में संभागीय स्तरीय निर्यात प्रोत्साहन एवं जागरूकता कार्यशाला होगी। सचिव एमएसएमई दिलीप कुमार ने बताया कि फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गनाइजेशन के समन्वय से होने वाली इन कार्यशालाओं की श्रृंखला में पहली कार्यशाला 13 फरवरी 2026 को उज्जैन में आयोजित की गई है। इसके अलावा अलावा 14 फरवरी को इंदौर में, 27 फरवरी को भोपाल, 28 फरवरी को जबलपुर, 7 मार्च को ग्वालियर, 13 मार्च को रीवा एवं 14 मार्च 2026 को सागर में संभाग-स्तरीय निर्यात प्रोत्साहन एवं जागरूकता कार्यशाला आयोजित की जायेगी।

गुढ़ इंडस्ट्रियल एरिया का विकास रीवा के औद्योगिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में अहम: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

नगर परिषद गुढ़ एवं औद्योगिक क्षेत्र में जल प्रदाय योजना कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में रीवा जिले के गुढ़ स्थित इंडस्ट्रियल एरिया में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने नगर परिषद गुढ़ एवं औद्योगिक क्षेत्र गुढ़ में महत्वाकांक्षी जल प्रदाय योजना के कार्यों को शीघ्र क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि 16 करोड़ लागत की इस महत्वाकांक्षी परियोजना में अब तक सिर्फ 7 करोड़ लागत का कार्य ही हो सका है। इस परियोजना से 5 एमएलडी जल नगर परिषद गुढ़ को और 5 एमएलडी जल औद्योगिक क्षेत्र गुढ़ को प्राप्त होगा। इस प्रोजेक्ट के पूर्ण होने से गुढ़ क्षेत्र में जल प्रदाय व्यवस्था सुदृढ़ होगी साथ ही औद्योगिक क्षेत्र का भी विकास होगा। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि किसी भी औद्योगिक क्षेत्र के समुचित विकास के लिए बिजली, पानी, सड़क, ड्रेनेज जैसी मूलभूत सेवाओं का सुदृढ़ होना

अनिवार्य है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गुढ़ इंडस्ट्रियल एरिया के विकास कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और बिजली, सड़क, जल एवं अन्य आवश्यक सेवाओं के विस्तार के लिए तत्काल और प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने उच्च अधिकारियों को निर्देशित किया कि विकास कार्यों की नियमित समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि गुढ़ इंडस्ट्रियल एरिया का समग्र विकास न केवल रीवा जिले की औद्योगिक पहचान को मजबूत करेगा, बल्कि इससे स्थानीय युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। उद्योगों की स्थापना से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों प्रकार के रोजगार बढ़ेंगे, जिससे क्षेत्र की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। उन्होंने यह भी कहा सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

एमपी ट्रांसको के नवाचार को मिली देश के पॉवर सेक्टर में ख्याति

भोपाल। मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस इंजीनियरों द्वारा विकसित एक नवाचार को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण मान्यता प्राप्त हुई है। केन्द्र सरकार के केंद्रीय सिंचाई एवं विद्युत बोर्ड (सीबीआईपी) तथा पेरिस स्थित इंटरनेशनल काउंसलिंग ऑन लार्ज इलेक्ट्रिकल सिस्टम (सिगरे) की भारतीय इकाई, सिगरे इंडिया द्वारा विकास भवन, नई दिल्ली में आयोजित नेशनल कांफ्रेंस में इस नवाचार से संबंधित शोधपत्र एमपी ट्रांसको के इंजीनियर्स विकास भारिया, जितेन्द्र तिवारी एवं आशुतोष राय ने प्रस्तुत किया। एमपी ट्रांसको द्वारा विकसित यह नवाचार ट्रांसमिशन लाइनों पर पिट आधारित अर्थिंग से संबंधित है। इस तकनीक के माध्यम से लगभग 35 वर्षों से अधिक पुरानी ट्रांसमिशन लाइनों पर दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में आकाशीय बिजली (लाइटनिंग) के दौरान होने वाली ट्रिपिंग एवं ब्रेक डाउन की घटनाओं को सीमित करने में उल्लेखनीय सफलता मिली है। यह नवाचार ट्रांसमिशन लाइनों की विश्वसनीयता और निरंतर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

अर्थिंग के विशेषज्ञों ने कम चर्चित विषय पर इस प्रकार का शोध किये जाने पर भूरि-भूरि प्रशंसा कर अन्य पॉवर संस्थानों के लिए अनुकरणीय बताया। कॉन्फ्रेंस में एमपी ट्रांसको के अनीश कांत दुबे, राजेश्वर सिंह ठाकुर एवं विवेक मोजासिया भी शामिल हुए। एमपी ट्रांसको के इस प्रस्तुतीकरण एवं ट्रांसमिशन लाइनों के लिए अत्यंत उपयोगी इस नवाचार को देश के विभिन्न पॉवर सेक्टर संगठनों एवं राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा सराहना प्राप्त हुई है।

इस शोधपत्र को विश्व की प्रतिष्ठित पॉवर मैगजीन सिगरे इंडिया में प्रकाशन के लिए चयनित किया गया है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस उपलब्धि पर एमपी ट्रांसको के इंजीनियरों को बधाई देते हुए कहा कि यह नवाचार न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश के पॉवर सेक्टर के लिए उपयोगी सिद्ध होगा और इससे ट्रांसमिशन सिस्टम की मजबूती बढ़ेगी।

बंधुआ और बाल श्रम मुक्त मध्यप्रदेश हमारा लक्ष्य : श्रम मंत्री पटेल

भोपाल। श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि चार नवीन श्रम संहिताओं में स्वास्थ्य, दुर्घटना बीमा और व्यावसायिक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल हैं। बंधुआ मजदूरी और बाल श्रम जैसी कुप्रथाओं को जड़ से उन्मूलन के लिये ठोस रोडमैप तैयार किया जाएगा। इस रोडमैप के पाँच प्रमुख स्तंभ होंगे कानूनी सहायता, पुनर्वास, कौशल विकास, जनजागरूकता और प्रशासनिक संवेदनशीलता। हमारा लक्ष्य मध्यप्रदेश को बंधुआ और बाल श्रम मुक्त बनाना है। यह बात श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर भोपाल में आयोजित कार्यशाला में कही। श्रम मंत्री पटेल ने कहा कि बंधुआ मजदूर की स्पष्ट परिभाषा तय करना आसान नहीं है, लेकिन यह अवश्य तय किया जा सकता है कि किन परिस्थितियों में कोई मजदूर बंधुआ बनता है। प्रवासी मजदूर होना, अशिक्षा, कानून की जानकारी का अभाव, नशे की लत, मानसिक रूप से कमजोर स्थिति, बाल श्रम और परंपरागत व्यवसायों से जुड़ी तात्कालिक आवश्यकताएं ये सभी बंधुआ श्रम के प्रमुख कारण हैं।

मंत्री पटेल ने बताया कि बारूद से जुड़े कारखानों को मध्यप्रदेश में अत्यंत खतरनाक श्रेणी में रखा गया है। उद्योगों का वर्गीकरण खतरनाक और अति-खतरनाक श्रेणियों में किया जाना चाहिए, ताकि श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। श्रम मंत्री श्रह पटेल ने स्पष्ट किया कि आज संकल्प करने का दिन है कि आने वाले समय में हम यह कह सकें कि मध्यप्रदेश में न कोई बाल मजदूर है और न कोई बंधुआ मजदूर। उन्होंने कहा कि हुनर को रोका नहीं जा सकता, लेकिन यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी को मजदूरी के कारण बंधुआ न बनाया जाए और न ही किसी बच्चे से उसका बचपन छीना जाए। कार्यक्रम में सचिव, श्रम विभाग श्री रघुराज राजेन्द्रन ने कहा कि वैश्विक परिदृश्य में आज एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) एक बड़ा परिवर्तनकारी तत्व बनकर उभरा है। तकनीकी बदलाव हमेशा टूल के रूप में आए हैं, लेकिन एआई में सोचने की क्षमता होने के कारण यह कार्यबल और रोजगार के क्षेत्र में सबसे बड़ा बदलाव लाएगा।

मंत्री सारंग ने दिए सहकारिता में नवाचार उपलब्धियों का प्रजेंटेशन तैयार करने के निर्देश

भोपाल। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने मध्यप्रदेश सहकारिता विभाग में किये गये नवाचार एवं उपलब्धियों से संबंधित प्रजेंटेशन तैयार करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा है कि केन्द्र सरकार द्वारा चाही गयी बिन्दुवार जानकारी तैयार की जाये। जानकारी पूर्णत- अद्यतन हो, इस बात का विशेष ध्यान रखा जाये। मंत्री श्री सारंग सोमवार को मंत्रालय में सहकारिता विभाग की समीक्षा कर रहे थे। बैठक केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में 17 फरवरी को होने वाले प्रस्तावित सम्मेलन के परिप्रेक्ष्य में आयोजित की गयी थी। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रजेंटेशन में सहकारिता विभाग की विशेषताएँ एवं उपलब्धियों सहित सीपीपीपी मॉडल, चीता बीज और नवाचारों का भी समावेश किया जाये। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष में किये गये सर्वोत्तम कार्यों की जानकारी भी दी जाये। उन्होंने कहा कि डेयरी क्षेत्र में सर्कुलेरिटी एवं सस्टेनेबिलिटी का भी समावेश किया जाये। सहकारिता में सहकार अभियान के तहत दुग्ध, मत्स्य सहित अन्य सहकारी संस्थाओं तथा उनके सदस्यों के खातों की संख्या दर्शाई जाये। प्रचार-प्रसार की दृष्टि से किये गये प्रयासों को भी बतायें। प्रजेंटेशन को अद्यतन जानकारी के साथ आकर्षक बनाया जाये और कम्पाइल प्रजेंटेशन तैयार कर शीघ्र प्रस्तुत करें। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि पेक्स का बहुउद्देश्यीकरण, राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम की योजनाएँ एवं सहकारिता क्षेत्र को लाभ, वित्तीय सहायता आदि का समावेश किया जाये। बैठक में प्रमुख सचिव श्री डी.पी. आहूजा, प्रबंध संचालक बीज संघ श्री महेन्द्र दीक्षित, प्रबंध संचालक अपेक्स बैंक श्री मनोज गुप्ता, प्रबंध संचालक सहकारी संघ श्री ऋषिराज रंजन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव ने की विधान सभा के बजट सत्र की तैयारियों की समीक्षा

केंद्रीय बजट के अनुरूप परियोजनाओं और योजनाओं के प्रस्ताव भेजने के निर्देश

भोपाल। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने विभाग अध्यक्षों सहित अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव से अपेक्षा की है कि वे केंद्रीय बजट के प्रावधानों के अनुरूप परियोजनाएं और योजनाएं तैयार कर भारत सरकार को भेजें इससे मध्यप्रदेश के प्राथमिकता क्षेत्र को अत्यधिक लाभ मिल सके। मंत्रालय में सोमवार को बैठक में मध्यप्रदेश विधान सभा के बजट सत्र की तैयारियों, वर्तमान वित्तीय वर्ष के लक्ष्यों की पूर्ति, सुशासन के बिंदुओं सहित मंत्रि-परिषद के निर्णयों के पालन की समीक्षा की। मुख्य सचिव श्री जैन ने मध्यप्रदेश विधानसभा के आगामी बजट सत्र की तैयारियों की समीक्षा कर निर्देश दिए हैं कि पिछले सत्रों के शून्यकाल सूचनाओं सहित अपूर्ण उत्तर वाले प्रश्न, आश्वासन और लोक लेखा समिति की अनुशंसाओं के लंबित मामले यथाशीघ्र पूर्ण करें। उन्होंने विभागीय परामर्शदात्री समितियों की बैठक करने के साथ ही विधानसभा को विभागीय प्रशासकीय प्रतिवेदन उपलब्ध करवाने के लिए कहा है।

मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि आर्थिक ग्रोथ में पूंजीगत खर्चों का अहम योगदान होता है। अपर मुख्य सचिव मनीष रस्तोगी ने बताया कि अन्य वर्षों की तुलना में इस वित्त वर्ष में पूंजीगत

खर्चों में वार्षिक लक्ष्यों की पूर्ति बेहतर है। मुख्य सचिव श्री जैन ने ऐसे विभाग जिनमें अभी भी राशि उपलब्ध है, उनसे कहा है कि इस वित्त वर्ष की शेष अवधि के लिए साप्ताहिक प्लान बनाकर वास्तविक व्यय सुनिश्चित करें।

मुख्य सचिव श्री जैन ने निर्देशित किया कि हाल में आए केंद्र सरकार के बजट के प्रावधानों के अनुरूप मध्यप्रदेश में सिटी इकोनॉमिक रीजन, डेडीकेटेड केमिकल और पेट्रोकेमिकल पार्क और मेगा टेक्सटाइल पार्क सहित अन्य परियोजनाओं के प्रस्ताव तैयार करे। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के दिशा निर्देशों को भी समाहित कर यथाशीघ्र प्रस्ताव भेजे जाए। मुख्य सचिव श्री जैन आयुर्वेदिक विश्वविद्याल के लिए प्रस्ताव भेजने पर आयुष विभाग की सराहना भी की।

मुख्य सचिव श्री जैन ने बताया कि नॉलेज और एजुकेशन सिटी, मेडिकल हब, नाइपर, फार्मास्युटिकल रिसर्च सेंटर, स्कूल और कॉलेजों के लैब, सी मार्ट, हॉस्टल, स्किल डेवलपमेंट, पशुपालन और एमएसएमई ग्रोथ फंड जैसे अनेक क्षेत्रों में केंद्र सरकार ने बजट में प्रावधान किए हैं। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से कहा कि वे यथाशीघ्र प्रस्ताव भारत सरकार को भेजें। मुख्य सचिव श्री जैन ने सलाह दी कि अधिकारी माह में कम से कम एक बार केंद्र में उनके विभाग से संबंधित ज्वाइंट सेकेट्री बात अवश्य करें। मुख्य सचिव श्री जैन निर्देश दिए कि इस वित्त वर्ष की प्रगतिरत सामान्य योजनाओं में लक्ष्य को शत प्रतिशत पूर्ण करें। उन्होंने निर्देश दिए कि भारत सरकार से संबंधित ऐसी लंबित परियोजनाओं और योजनाओं को उनके संज्ञान में लाएं जिनमें समन्वय की आवश्यकता है। मुख्य सचिव श्री जैन भारत सरकार को भेजे जाने वाले पत्रों को शत प्रतिशत आवासीय आयुक्त को भी भेजने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि आमजन की सेवाओं और सुविधाएं राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में है। उन्होंने कहा कि रजिस्ट्री के बाद और अविवादित नामांतरण समय सीमा में होना ही चाहिए। मुख्य सचिव श्री जैन लोकसेवा गारंटी अधिनियम में अधिसूचित सेवाओं में नागरिकों के आवेदन समय सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने साप्ताहिक समीक्षा में इसे सर्वोच्च प्राथमिकता में रखने के लिए कहा है। मुख्य सचिव श्री जैन ने अधिसूचित 735 में से 135 अन्य सेवाओं को भी ऑनलाइन करने और जो सेवाएं अब प्रचलन में नहीं हैं,उन्हें पृथक करने की जरूरत बताई। उन्होंने सी.एम हेल्प लाइन के प्रकरणों के निराकरण में भी सर्वोच्च प्राथमिकता रखने के लिए कहा है।

मुख्य सचिव ने पीएम प्रगति पोर्टल पर मध्यप्रदेश के बेहतर प्रदर्शन की जानकारी देते हुए अधिकारियों को धन्यवाद दिया।उन्होंने इसी तरह की कार्य प्रणाली सीएम मॉनिटरिंग में अपनाने की अपेक्षा की है। मुख्य सचिव श्री जैन ने अधिकारियों से कहा कि उनके कार्यालय के सभी कार्य ई- आफिस प्रणाली पर ही हों, यह सुनिश्चित किया जाए। भौतिक रूप से फाइलों का संचालन नहीं होना चाहिए। उन्होंने मंत्रि-परिषद की विभिन्न बैठकों में लिए गए निर्णयों के पालन की समीक्षा भी की। मुख्य सचिव श्री जैन गत एक वर्ष में नई नीतियों के लागू होने,क्रियान्वयन की स्थिति और लाभ के आंकलन और अध्ययन के निर्देश भी दिए। मुख्य सचिव जैन ने सभी विभागाध्यक्ष से कहा कि वे उनके विभागों के निगम,मंडल और बोर्ड की समीक्षा करने के साथ ही वित्त आयोग की अनुशंसाओं की समीक्षा भी करें।

सिवनी बायज सिवनी ने वेटरन तो कृष्णम आइकन ने ओपन वर्ग का पार्षद गोल्ड कप

पार्षद गोल्ड कप डे- नाईट ि केट टूर्नामेंट को दर्शकों ने दिल से सराहा और धन्यवाद दिया आयोजकों को

सिवनी। नगर के हृदय स्थल में स्थापित मिशन स्कूल ग्राउंड जहां चहुंओर चकाचौंध दूधिया रोशनी की चमक के बीच आयोजित पार्षद गोल्ड कप डे-नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य समापन नगर की वेटरन वर्ग और ओपन वर्ग की टीमों के मध्य खिताबी भिड़ंत अतिथियों और हजारों दर्शकों की उपस्थिति में खेला गया। विगत 24 जनवरी 2026 से पार्षद गोल्ड कप डे-नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन मिशन स्कूल ग्राउंड में जिले की 22 वेटरन वर्ग की टीमों एंव 8 ओपन वर्ग की टीमों का समावेश करते हुए अलग-अलग मैचों की श्रृंखला खेली गई जहां नगर व जिले के खिलाड़ियों ने अपना उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन करते हुए चौंके और छक्कों पर अतिथियों और दर्शकों की खूब तालियां बटोरी एंव ईनामी राशियों सम्मानित होते रहे।

8 फरवरी 2026 को पार्षद गोल्ड कप डे-नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य समापन सिवनी विधानसभा के विधायक दिनेश राय मुनमुन, भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन की गरिमामय उपस्थिति में सानंद संपन्न हुआ इस पार्षद गोल्ड कप के लिए भिंड़त वेटरन वर्ग में जैस 11 और सिवनी बायज सिवनी के मध्य खेला गया इस मैच में टास जीतकर सिवनी बायज ने पहले बल्लेबाजी के लिए जैस 11 को आमंत्रित किया इस महामुकाबले में बल्लेबाजी करते हुए जैस 11 ने अपने निर्धारित 10 ओवरों के मैच में आल आउट होकर 78 रनों पर सिमटकर रह गई। जैस 11 की ओर से खेलते हुए एक मात्र खिलाड़ी बलधर यादव ने ही दहाई अंकों पर टीम का स्कोर 24 गेंदों पर 48 रन जिसमें 4 छक्के और 5 चौंके शामिल रहे जिन्हें इमरान लाला ने शानू के हाथों कैच आउट कराया इसके सभी खिलाड़ी पतझड़ की तरह झड़ते चले गए सिवनी बायज सिवनी की ओर से शानदार गेंदबाजी करते हुए इमरान ढिल्लन ने अपने 2 ओवर में 16 रन देकर 3 विकेट, इमरान लाला ने 2 ओवर में 9 रन देकर 3 विकेट लिए वहीं आरिफ खान ने 2 ओवर में मात्र 4 देकर 2 विकेट झटके।

फाइनल के इस मुकाबले में जवाबी पारी में उतरी सिवनी बायज ने 1 विकेट गंवाकर ही 6.5 ओवर में ही लक्ष्य को हासिल कर यह खिताब 9 विकेट से जीत लिया बल्लेबाजी करते हुए कप्तान आसिफ पटेल ने 18 गेंदों पर 42 रन 6 छक्कों की मदद से बनाकर नाबाद रहे जबकि 8 गेंदों पर 18 रन की पारी शाहिद भोपाली ने खेली।

वहीं दूसरी खिताबी भिड़ंत ओपन वर्ग के महामुकाबले में कृष्णम आइकन और सर्वोदय 11 स्टार के मध्य खेला गया इस रोमांचक फाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए सर्वोदय 11 स्टार ने निर्धारित 10 ओवरों के इस मैच में 9 विकेट खोकर 109 रनों का लक्ष्य विरोधी टीम के समक्ष रखा सर्वोदय 11 स्टार की ओर बल्लेबाजी करते हुए विजेन्द्र राठौर ने 13, राहुल ने 17 गेंदों पर 47 रन तो सूरज सम्राट ने 9 गेंदों पर 14 रनों की पारी खेलकर टीम का स्कोर सम्मानजनक बनाया कृष्णम आइकन के गेंदबाजों में राजू विश्वकर्मा ने अपने 2 ओवर में 12 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए तो अंकित अग्रवाल ने 2 विकेट लिए जबकि प्रिंस, जानू और आलोक ने 1-1 विकेट लिए। 109 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कृष्णम आइकन के बल्लेबाजों ने धुआंधार ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 7 ओवर में ही 1 विकेट खोकर यह लक्ष्य हासिल करते हुए 9 विकेट से पार्षद गोल्ड कप अपने नाम कर लिया कृष्णम आइकन के खिलाड़ी शुभम पटेल ने 24 गेंदों का सामना करते हुए 8 छक्कों और 6 चौंकों की मदद से 74 रनों की आतिशी नाबाद पारी खेली वहीं आलोक कुमार ने 18 और जानू 16 बनाकर नाबाद रहे।

अशोक एंड अशोक अखिल भारतीय हाकी प्रतियोगिता के मुकाबलों में मुंबई, अमरावती और बिलासपुर की रोमांचक जीत

सिवनी। यंग स्टार क्लब सिवनी के तत्वावधान में स्व. सौभाग्य चंद जी मालू की स्मृति में आयोजित अशोक एंड अशोक अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता अंतर्गत 9 फरवरी को तीन मैच खेले गए जिनमें सभी मुकाबले अत्यंत रोमांचक रहे। मैदान के अंदर खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन और दर्शकों के उत्साह ने प्रतियोगिता को यादगार बना दिया। पहला मुकाबला केरल बनाम मुंबई के मध्य खेला गया कश्मकश भरे इस मुकाबले में मुंबई ने कांटे की टक्कर में 3ङ्क2 से जीत दर्ज की। केरल के गोलकीपर विकास पटेल को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरा मुकाबला अमरावती बनाम रायपुर अकादमी के मध्य खेला गया जिसमें अमरावती ने आक्रामक खेल दिखाते हुए रायपुर पर मजबूत दबाव बनाए रखा और 6-2 से शानदार जीत हासिल की। अमरावती के आमिर खान सानी (जर्सी नंबर 10) को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। जबकि तीसरा मुकाबला बिलासपुर अकादमी बनाम नरसिंहपुर फाउंडेशन के बीच खेला गया जिसमें दोनों टीमों ने आमने-सामने दबाव बना रखा था हाफ टाइम तक किसी भी टीम ने कोई गोल नहीं दागा लगातार बढ़ते खिलाड़ियों के जुनून और दर्शकों के उत्साह ने मैच को रोमांचक बना दिया अंतिम पड़ाव में बिलासपुर अकादमी के खिलाड़ियों ने दबाव बनाते हुए नरसिंहपुर के खिलाफ लगातार 2 गोल दागकर जबरदस्त जीत दर्ज की। बिलासपुर अकादमी के गोलकीपर राहुल ठाकुर ने कई शानदार बचाव करते हुए टीम की जीत में निर्णायक भूमिका निभाई। उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। 10 फरवरी को होने वाले मुकाबलों जो टीमें मैदान में उतरेंगी उनमें गुजरात 11, मानसी मुंबई, सेंटर रेल्वे नागपुर, भोपाल 11, ष्ठ॥ सिवनी। इन रोमांचकारी मुकाबलों में जितेन्द्र सिंह, अ. वाहिद खान, श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष नंदन श्रीवात्री, विजय छागवानी, संतोष नामदेव एवं मीडिया प्रभारी अब्दुल काबिज खान की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बाल श्रम एवं बंधक श्रम उन्मूलन को लेकर बैठक आयोजित

मुरैना। कलेक्टर श्री लोकेश जांगिड़ की अध्यक्षता में बाल श्रम जिला टास्क फोर्स एवं बंधक श्रम जिला सतर्कता समिति की बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार, मुरैना में किया गया। बैठक में बंधक श्रम उन्मूलन अधिनियम, 1976 के अंतर्गत जिले में की गई कार्यवाहियों की समीक्षा की गई तथा विमुक्त श्रमिकों के पुनर्वास की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने बाल श्रम एवं बंधक श्रम के प्रभावी उन्मूलन हेतु संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ संयुक्त निरीक्षण करने के निर्देश दिए। साथ ही बाल श्रम की रोकथाम एवं जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से समय-समय पर जागरूकता अभियान संचालित करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि बाल श्रम एवं बंधक श्रम का उन्मूलन प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है और इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि बंधक श्रम एवं बाल श्रम के उन्मूलन के लिए कानूनों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए तथा विमुक्त श्रमिकों के पुनर्वास से संबंधित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण किया जाए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करें।

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने छतरपुर में 'लड्डू बर्फी पेड़े ले लो' की आवाज लगाई

छतरपुर। अपने अलग अंदाज़ और बेबाक व्यवहार के लिए पहचाने जाने वाले पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार कारण कोई प्रवचन या धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि उनका मिठाई बेचना है। दरअसल उनका एक वीडियो अब वायरल हो रहा है जिसमें वो मिठाई बेचते नज़र आ रहे हैं। रविवार देर रात छतरपुर जिले में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री छत्रसाल चौराहे पर स्थित कंचन स्वीट्स पर पहुंचे, दुकानदार अशोक अग्रवाल दुकान बंद कर घर जाने की तैयारी कर ही रहे थे। तभी वहां बागेश्वर धाम जा पहुंचे और उन्हें देख लोग इकट्ठा होने लगे। कुछ ही पलों में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। इसके बाद बाबा दुकान के भीतर पहुंचे और दुकानदार की गद्दी पर बैठकर हल्के-फुल्के, मज़ाकिया अंदाज़ में लड्डू-पेड़े बेचने की आवाज़ लगाने लगे। बागेश्वर धाम का ये वीडियो अब वायरल हो रहा है जिसमें वो 'लड्डू ले लो, बर्फी ले लो, पेड़े ले लो' की आवाज़ लगा रहे हैं। इस वीडियो को देखकर एक बार फिर भक्त उनके सहज सरल व्यवहार की प्रशंसा कर रहे हैं। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री अक्सर अपने भक्तों के साथ चुहल करते देखे जाते हैं। श्रद्धालुओं की जिज्ञासा का समाधान करते हुए वो कई बार उनसे मजाक भी करते हैं और चुटीले जवाब भी देते हैं। यही वजह है कि वो कभी चर्चाओं से बाहर नहीं होते। अब एक बार फिर वो सुर्खियों में हैं।

एपस्टीन फाइल्स के खुलासे पर बोले धीरेंद्र शास्त्री

बाहरी चमक-दमक के पीछे कई बड़े नामों के गंभीर कृत्य छिपे होते हैं

छतरपुर। देश के प्रसिद्ध कथा वाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने हाल ही में अपनी कथा के दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित एपस्टीन फाइल्स का उल्लेख करते हुए बड़ा बयान दिया। बागेश्वर धाम में चल रही कथा के बीच उन्होंने दुनिया के प्रभावशाली और संपन्न लोगों पर तीखी टिप्पणी की। शास्त्री ने कहा कि बाहरी चमक-दमक के पीछे कई बड़े नामों के गंभीर कृत्य छिपे होते हैं, जिनकी परतें अब धीरे-धीरे खुल रही हैं। कथा के दौरान उन्होंने कथित दस्तावेजों का हवाला देते हुए कहा कि हजारों पन्नों में विश्व के कई चर्चित व्यक्तियों के संदिग्ध आचरण दर्ज होने की बात सामने आई है। उन्होंने बिल गेट्स और डोनाल्ड ट्रंप जैसे नामों का जिक्र करते हुए कहा कि इन फाइल्स में कई चौंकाने वाले दावे शामिल बताए जा रहे हैं। शास्त्री ने इसे नैतिक पतन का उदाहरण बताते हुए कहा कि धन और प्रभाव के दम पर वर्षों तक कई बातें दबाई जाती रहीं।

अपने वक्तव्य में उन्होंने यह भी कहा कि इन कथित मामलों में मासूम बच्चियों के शोषण जैसे गंभीर आरोपों का उल्लेख है, जो मानवता को झकझोर देने वाले हैं। उन्होंने बताया कि कैसे नशे की लत लगाकर बच्चों और युवतियों को गलत गतिविधियों में धकेले जाने के आरोप सामने आए हैं। उन्होंने इसे समाज के लिए चेतावनी बताते हुए नैतिक जागरूकता की आवश्यकता पर जोर दिया। भारत के संदर्भ में बात करते हुए शास्त्री ने राजधानी दिल्ली का उदाहरण दिया और कहा कि वहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग लापता होने की घटनाएं सामने आती हैं, जो चिंता का विषय है। उन्होंने इसे संगठित गिरोहों और मानव तस्करी जैसे अपराधों से जोड़ते हुए समाज को सतर्क रहने की सलाह दी।

इसी क्रम में उन्होंने अपने एक शिष्य के परिवार से जुड़ी घटना साझा की। उनके अनुसार, एक युवती को मॉडलिंग और टीवी में काम दिलाने का लालच देकर फंसाया गया, फिर उसे नशे का आदी बनाकर कथित तौर पर बाहर भेजने की साजिश रची गई। समय रहते इस गिरोह का भंडाफोड़ हो गया और युवती को बचा लिया गया। इस घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने लोगों से अपील की कि ऐसे प्रलोभनों से सावधान रहें और अपने परिवार को जागरुक रखें।

कमलनाथ के प्रयासों से रेलवे स्टेशन पर सुविधाओं में हुआ विस्तार

छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के अथक व सतत प्रयासों से छिन्दवाड़ा रेलवे स्टेशन पर सुविधाओं का विस्तार होने जा रहा है। रेलवे स्टेशन पर एस्केलेटर व लिफ्ट की सुविधाएं बहाल होगी जिससे यात्रियों को सुविधाएं प्राप्त होगी। कमलनाथ के प्रयासों से स्टेशन पर बहाल होती सुविधाओं के लिए कांग्रेस के जनप्रतिनिधि अजय सिन्हा ने नाथ का हृदय से आभार माना है साथ ही अन्य इन सम्पूर्ण कार्यों को अविलम्ब पूरा करने की मांग की है।

क्रिकेट खिलाड़ी सागर के निधन पर शोक जताया

छिंदवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने छिंदवाड़ा के होनहार क्रिकेट खिलाड़ी सागर यादव के ट्रेन हादसे में असामयिक दुःखद निधन पर शोक व्यक्त किया है। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ ने जिले के युवा व उभरते हुए क्रिकेट खिलाड़ी सागर पिता कुबेर यादव के निधन पर गहन दुख व्यक्त किया।

वैज्ञानिकों ने किसानों को दी प्राकृतिक खेती की जानकारी

छिन्दवाड़ा। शासन के निर्देशानुसार वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाये जाने के उपलक्ष्य में कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन के निर्देशन में विकासखंड छिंदवाड़ा के ग्राम चारगांव में आज नरवाई प्रबंधन पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में नरवाई प्रबंधन के लिये उन्नत कृषि यंत्रों सुपर सीडर / हैप्पी सीडर, स्ट्रा रीपर, रीपर कम्बाईन्डर, हार्वेस्टर स्ट्रा मैनेजमेंट (एसएमएस) स्व-चलित स्ट्रा रीपर के माध्यम से नरवाई प्रबंधन करने एवं नरवाई जलाने से होने वाले नुकसान की जानकारी किसानों को दी गई।

वरिष्ठ भाजपा नेता विजय झांझरी संभागीय प्रभारी नियुक्त

छिंदवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी के पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के अंतर्गत वरिष्ठ भाजपा नेता मा. विजय झांझरी को छिंदवाड़ा संभाग प्रभारी नियुक्त किये जाने पर हार्दिक हार्दिक बधाई एवम अनेकानेक शुभकामनाएं।ज्ञातव्य है कि भारतीय जनता पार्टी में लम्बे समय से विभिन्न पदों पर रहते हुए आपने पार्टी की सेवा की हैं। इस नियुक्ति पर हर्ष व्याप्त करते हुए शुभचिंतकों ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

कलेक्टर ने समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा की

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर हरेंद्र नारायन ने कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा प्रकरणों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक ली। उन्होंने निर्देश दिये कि मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की परीक्षाएं कल से प्रारंभ हो रही हैं, सभी एसडीएम, अपने क्षेत्रों में कलेक्टर प्रतिनिधियों के रूप में नियुक्त अधिकारियों को दिशा-निर्देश दोहरा दें। परीक्षा सामग्री की थाने से निकासी और परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने में पूरी सावधानी बरती जाए। आदेश जारी करने के बाद भी लापरवाही एवं अनुशासनहीनता बरतने वाले केंद्राध्यक्षों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए। सभी निरीक्षण दल, परीक्षा के दौरान पूरी तरह सक्रिय रहकर परीक्षा केंद्रों पर आकस्मिक निगरानी रखें एवं अनुचित साधनों की शत-प्रतिशत रोकथाम सुनिश्चित करते हुए फेयर एग्जाम संचालन सुनिश्चित कराएं।

बैठक में कलेक्टर नारायन ने विभागवार समय-सीमा के लंबित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और शीघ्र निराकरण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सीएम हेल्प लाइन, मुख्यमंत्री कार्यालय, मुख्यमंत्री

निवास, विभिन्न आयोगों, वरिष्ठ कार्यालयों एवं न्यायालयों से संबंधित लंबित मामलों की भी गहन समीक्षा की। कलेक्टर नारायन ने स्पष्ट निर्देश दिए कि वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त कोई भी पत्र निरुत्तर नहीं रहना चाहिए। सभी में एक सप्ताह के अंदर जवाब चले जाएं। कोर्ट के अवमानना प्रकरणों में भी सभी में जवाब लगाना सुनिश्चित करें।

सांसद ने जनता दरबार में हल की लोगों की समस्याएं

छिन्दवाड़ा। छिन्दवाड़ा और सौंसर के दौरे से लौटने के बाद सांसद बंटी विवेक साहू से मिलने के लिए उनके परासिया रोड स्थित सांसद कार्यालय में रविवार की शाम को बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। सांसद साहू ने भी जिले भर से आये लोगों से मुलाकात करते हुए उनकी समस्याओं को सुना और कुछ लोगों की समस्याओं

पर तत्काल ही संबंधितों को मोबाईल पर बात कर समस्या का तत्काल हल करने के लिए कहा। वही कुछ लोगों की समस्याओं पर संबंधित अधिकारियों और विभाग को लेटर जारी करने के निर्देश दिये। इस दौरान कुछ लोगों ने अपनी व्यक्तिगत समस्याओं से सांसद श्री साहू को अवगत कराया वही कई लोगों ने सामुहिक रूप से मुलाकात कर उनकी परेशानियों को सांसद साहू के समक्ष रखा। रविवार की शाम को सांसद साहू से मिलने पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याओं का निराकरण पाकर उन्हें धन्यवाद भी ज्ञापित किया।

महादेव चौरागढ़ आध्यात्मिक साहसिक ट्रैक

छिंदवाड़ा। यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की सतपुड़ा इकाई छिंदवाड़ा द्वारा एक दिवसीय महादेव चौरागढ़ आध्यात्मिक साहसिक ट्रैक का सफल आयोजन किया गया। यह आयोजन इकाई चेयरमैन प्रदीप वाल्मीकि सतपुड़ा सिंघम एवं सचिव हिमांशु जायसवाल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर इकाई के उपाध्यक्ष अरविंद भट्ट ने मौके पर पहुंचकर ट्रैकिंग दल को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का आपसी परिचय कराते हुए ट्रैक दल को उत्साहपूर्वक रवाना किया। ट्रैकिंग दल 20 सदस्यों के साथ रात्रि 8 बजे छिंदवाड़ा से बस द्वारा भूराभगत के लिए रवाना हुआ। ट्रैक का नेतृत्व ट्रैक डायरेक्टर मोहित सूर्यवंशी एवं दीना नाथ पवार ने किया। भूराभगत से चौरागढ़ महादेव के लिए लगभग 20 किलोमीटर का रात्रिकालीन ट्रैक रात्रि 12 बजे प्रारंभ हुआ। दल ने प्रात 5 बजे चौरागढ़ महादेव मंदिर पहुंचकर दर्शन लाभ प्राप्त किया।

भारतीय रेलवे की स्प्रिंग फैक्ट्री में ब्लास्ट, पांच कर्मचारी झुलसे तीन की हालत गंभीर

ग्वालियर। भारतीय रेलवे की स्प्रिंग फैक्ट्री में गैस रिसाव के कारण आग लग गई। इस हादसे में पांच कर्मचारी झुलस गए, जिनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। बीती रात 10 बजे यह घटना मरम्मत कार्य के दौरान हुई। झांसी रोड थाना क्षेत्र की सिथौली रेलवे स्प्रिंग फैक्ट्री में मरम्मत के दौरान गैस लीक होने से अचानक आग भड़क उठी। मौके पर मौजूद कौशल श्रीवास्तव, योगेश कॉन्ट्रैक्ट एम्प्लॉई, शब्बीर, बुरी तरह झुलस गए। सभी घायलों को तुरंत नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। इस फैक्ट्री में ट्रेनों के लिए स्प्रिंग और अन्य पुर्जे बनाए जाते हैं। अस्पताल में घायलों का इलाज कर रहे डॉ. सोफी शकील ने बताया कि पांच लोग गंभीर जलन के साथ लाए गए थे। इनमें से तीन की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

संपादकीय

बजट में दिख रहा विकसित भारत का रोडमैप और आर्थिक संतुलन का समायोजन

अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर जिस तरह की वैश्विक चुनौतियां खड़ी हो रही हैं, नए समीकरण तैयार हो रहे हैं, उसमें सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए ऐसा बजट पेश करना एक चुनौती भरा काम है, जो संतुलित हो और जिसमें लोकलुभावन प्रस्तावों से बचने की कोशिश की जाए। सरकार का मानना है कि देश अब तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए दृढ़ संकल्पित है और 2026-27 का आम बजट भविष्य को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया। किसी भी बजट की उपादेयता इससे साबित होती है कि वह देश की आर्थिक मजबूती में कितना सहायक साबित हुआ और उसका आम जनता के जीवन पर क्या असर पड़ा। इस लिहाज से देखें तो रविवार को पेश बजट को व्यापार और पूंजी के क्षेत्र में बढ़ती जरूरतों के साथ-साथ भारत को अंतरराष्ट्रीय बाजारों के साथ तालमेल बिठाते हुए अधिक निर्यात और स्थिर दीर्घकालिक निवेश को आकर्षित करने वाला कहा जा सकता है। यों इस बजट को गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के हितों के संदर्भ में उम्मीद जगाने वाले प्रयास के तौर पर देखा जा सकता है, मगर कोई लोकलुभावन घोषणाओं से बचते हुए यथार्थवादी दृष्टिकोण पर जोर दिया गया। युवा वर्ग के सशक्तीकरण के मकसद से शिक्षा क्षेत्र में लगभग 1.35 लाख करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है। इसके तहत पचास नए आइआइटी और मेडिकल कालेज खोले जाने की बात कही गई है। साथ ही कौशल के विकास के उद्देश्य से 'स्किल इंडिया' कार्यक्रम को जमीन पर उतारने के लिए दो लाख करोड़ रुपए और प्रशिक्षु योजना से पांच करोड़ युवाओं को छात्रवृत्ति की व्यवस्था की जाएगी। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों यानी एमएसएमई के क्षेत्र में मदद के साथ ही रोजगार केंद्रित विकास को प्रमुखता दी जाएगी। दरअसल, देश में आज भी विकास के सारे सवाल बढ़ती बेरोजगारी के सामने चुनौती की तरह लगने लगते हैं। इसके मद्देनजर बजट में बेरोजगारी दर को आठ फीसद से नीचे लाने का संकल्प जाहिर किया गया है। मगर सारे निवेश और कार्यक्रम की कामयाबी इस बात पर निर्भर करेगी कि शहरों-महानगरों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी रोजगार के कितने अवसर सृजित हुए और उसमें हिस्सेदारी करने के लिए कौशल की कसौटी पर कितनी प्रशिक्षित युवा आबादी तैयार हुई। इसी तरह, लक्ष्मी वंदना योजना को विस्तार दिया गया है और स्वरोजगार ऋण के नियम शिथिल किए गए, ताकि महिला सशक्तीकरण की दिशा में ठोस नतीजे हासिल किए जा सकें। मगर यह देखने की बात होगी कि इससे जमीनी स्तर पर लैंगिक समानता की स्थितियों को सशक्त बनाने में कितनी मदद मिलेगी। पांच 'विश्वविद्यालय शहर' के निर्माण, डिजिटल नालेज ग्रिड की स्थापना और देश के प्रत्येक जिले में महिला छात्रावास खोलना युवा सशक्तीकरण की राह को मजबूती दे सकती है। अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के मकसद से विनिर्माण, पर्यटन, दुर्लभ खनिजों के खनन और नई बुनियादी ढांचा परियोजना को बढ़ावा देने का प्रस्ताव किया गया है। बदलते दौर में तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में मजबूती के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र की स्थापना डिजिटल इंडिया के सपने को पूरा करने में मददगार होगी, लेकिन यह ध्यान रखने की जरूरत होगी कि गरीब और अमीर आबादी के बीच डिजिटल विभाजन को पाटा जा सके, क्योंकि आने वाले वर्षों में अगर देश को दुनिया में एक अग्रणी अर्थव्यवस्था बनना है, तो उसमें समावेशी विकास के सिद्धांत को वास्तव में जमीन पर उतारना होगा।

Oman में वार्ता की मेज से लेकर युद्ध के मैदान तक...Iran और US ने एक दूसरे के खिलाफ पूरा जोर लगाकर दुनिया को चिंता में डाला

-नीरज कुमार दुबे

ईरान पर युद्ध के मंडराते बादल अब और घने होते जा रहे हैं क्योंकि ओमान में बातचीत के लिए आये ईरानी और अमेरिकी प्रतिनिधियों ने सीधे तौर पर बातचीत नहीं की। बातचीत ओमान की मध्यस्थता में हुई। यानि ईरान अपनी बात ओमान से कहता, ओमान वही बात जाकर अमेरिका से कहता और अमेरिकी जवाब को आकर ईरानी प्रतिनिधि को बताता। साथ ही इस वार्ता से पहले दोनों ओर से जिस तरह के धमकी भरे बयान आये और भारी हथियारों की तैनाती की गयी उससे यह साफ हो चला था कि वार्ता महज दिखावा है।

हम आपको बता दें कि ओमान ने कहा है कि उसके विदेश मंत्री ने मस्कट में ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधिमंडलों से अलग अलग मुलाकात कर परमाणु मामले पर परोक्ष वार्ता को आगे बढ़ाया। बताया जा रहा है कि वार्ता स्थल पर ईरान इस बात से भड़क गया कि अमेरिकी दल में एडमिरल ब्रैड कूपर जैसे सैन्य अधिकारी मौजूद थे। देखा जाये तो बीते वर्ष ईरान के परमाणु ढांचे पर हुए अमेरिकी हमले के बाद भले पहली औपचारिक वार्ता हुई लेकिन उससे पहले ही बयानबाजी, सैन्य जमावड़े और परोक्ष धमकियों ने माहौल को बारूदी बना दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई को खुली चेतावनी दी कि उन्हें बहुत चिंतित रहना चाहिए। यह चेतावनी उस समय आयी है जब ईरान के भीतर सरकार विरोधी प्रदर्शनों पर कड़ी कार्रवाई हुई, इंटरनेट पर पाबंदी लगी और सड़कों पर असंतोष उभरा।

हम आपको बता दें कि ओमान की राजधानी मस्कट में हुई वार्ता में ईरान की ओर से विदेश मंत्री अब्बास अराघची और अमेरिका की ओर से विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेड कुश्नर शामिल हुए। वार्ता शुरू होने से पहले भी अनिश्चितता बनी रही। खबरें आयीं कि आधिकारिक शुरुआत टली हुई है लेकिन बाद में स्पष्ट हुआ कि संदेश ओमान के जरिये आगे पीछे किये जा रहे हैं। हम आपको बता दें कि अमेरिका ने वार्ता से पहले कहा था कि वह चाहता है कि परमाणु कार्यक्रम के साथ-साथ ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता, क्षेत्र में सशस्त्र समूहों को समर्थन और अपने नागरिकों के साथ ईरान के व्यवहार पर भी चर्चा हो मगर तेहरान ने साफ कह दिया था कि बात केवल परमाणु कार्यक्रम और प्रतिबंध हटाने तक सीमित रहेगी। ईरान ने संकेत दिये हैं कि वह यूरेनियम संवर्धन पर कुछ लचीलापन दिखा सकता है, यहां तक कि उच्च स्तर पर संवर्धित यूरेनियम का कुछ भंडार सौंपने या साझा व्यवस्था के तहत शून्य संवर्धन तक पर विचार कर सकता है। पर साथ ही वह कहता है कि संवर्धन का अधिकार सौदे का विषय नहीं और 2018 के बाद फिर लगाये गये प्रतिबंध हटने चाहिए। इसी बीच, ईरानी सरकारी प्रसारण ने बताया कि उसकी सबसे उन्नत लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल खुर्रमशहर चार को भूमिगत मिसाइल नगर में तैनात किया गया है। इसकी मारक दूरी 1240 मील से अधिक और भारी वारहेड ढोने की क्षमता बतायी गयी है। इस दौरान ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के राजनीतिक उप प्रमुख यदोल्लाह जवानी ने दो टूक कहा कि कूटनीति अपनाने का अर्थ सैन्य ताकत छोड़ना नहीं है, ईरान युद्ध नहीं चाहता पर यदि दूसरी ओर से गलती हुई तो जवाब निर्णायक होगा। यह सब उस समय हुआ जब ट्रंप प्रशासन ने हाल के सप्ताहों में पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य मौजूदगी और साधन बढ़ाये हैं, जिससे साफ है कि वार्ता की मेज के नीचे भी दबाव की राजनीति पूरी ताकत से चल रही है। ईरान समुद्री मोर्चे पर सीधी बराबरी की जगह अपनी युद्ध नीति पर भरोसा करता है। उसका लक्ष्य है कि खाड़ी का जलक्षेत्र इतना जोखिम भरा बना दिया जाये कि किसी भी अमेरिकी विमान वाहक पोत के लिए वहां ठहरना महंगा सौदा लगे। ईरान जानता है कि जहाज दर जहाज मुकाबला उसके बस की बात नहीं, इसलिए वह सस्ते और असरदार हथियार, तेज नौकाएं, मानवरहित यान और तंग जलमार्ग का सहारा लेकर महंगे दुश्मन साधनों को निशाना बनाने की सोच रखता है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य अपने सबसे संकरे हिस्से में बहुत कम चौड़ा है, जहां बड़े पोतों की चाल सीमित हो जाती है और वे अनुमानित रास्तों पर चलने को मजबूर होते हैं। उत्तरी तट पर पकड़ रखने वाला ईरान जमीन से मार करने वाले प्रक्षेपास्त्र और तटीय ठिकानों से ऐसे पोतों को आसानी से साध सकता है। रिवोल्यूशनरी गार्ड की नौसेना के पास सैकड़ों छोटी और तेज आक्रमण नौकाएं हैं जिन पर मशीनगन, राकेट और टारपीडो लगे रहते हैं। ये नौकाएं झुंड की नीति अपनाती हैं, यानी एक ही बड़े पोत पर कई दिशाओं से एक साथ धावा। पारंपरिक रक्षा तंत्र दूर से आते प्रक्षेपास्त्र रोकने में सक्षम हो सकता है, पर एक साथ आती अनेक छोटी नौकाओं और मानवरहित यानों पर नजर रखना कठिन हो जाता है। ईरान ने समुद्र में चलते जहाजों को साधने वाले खास प्रक्षेपास्त्र भी विकसित किये हैं जिनकी मारक दूरी सैकड़ों किलोमीटर बतायी जाती है और जिनकी रफ्तार बहुत तेज कही जाती है। कम कीमत वाले शाहेद जैसे मानवरहित यान बड़ी संख्या में भेजे जाएं तो वे रक्षा कवच पर दबाव डालते हैं, और भले ही कई गिरा दिये जाएं, लागत का अंतर ईरान के पक्ष में रहता है। इसके साथ ही गदीर श्रेणी की छोटी पनडुब्बियां उथले पानी के लिए ढाली गयी हैं। ये समुद्र तल के पास छिपकर घात लगा सकती हैं और भारी टारपीडो से बड़े युद्धपोत को नुकसान पहुंचा सकती हैं। समुद्री बारूदी सुरंगें भी ईरान के शस्त्रागार का अहम हिस्सा हैं; संकरे जलमार्ग में एक सुरंग भी बहुमूल्य पोत को लंबे समय के लिए निष्क्रिय कर सकती है। हाल में फत्ताह दो जैसे अति तीव्र गति वाले प्रक्षेपास्त्र के दावे भी किये गये, जिन्हें रोकना कठिन बताया जाता है। ईरान की सोच साफ है- दुश्मन के एक महंगे पोत की कीमत में वह अनेक हमले कर सकता है। 2002 के एक अमेरिकी सैन्य अभ्यास में भी दिखा था कि झुंड नीति और अनोखे तरीके भारी तकनीक पर भारी पड़ सकते हैं।

हमने अपने भीतर क्या जीवित रखा? जीवन की लंबाई नहीं, उसकी गहराई मायने रखती है

-देवेश त्रिपाठी

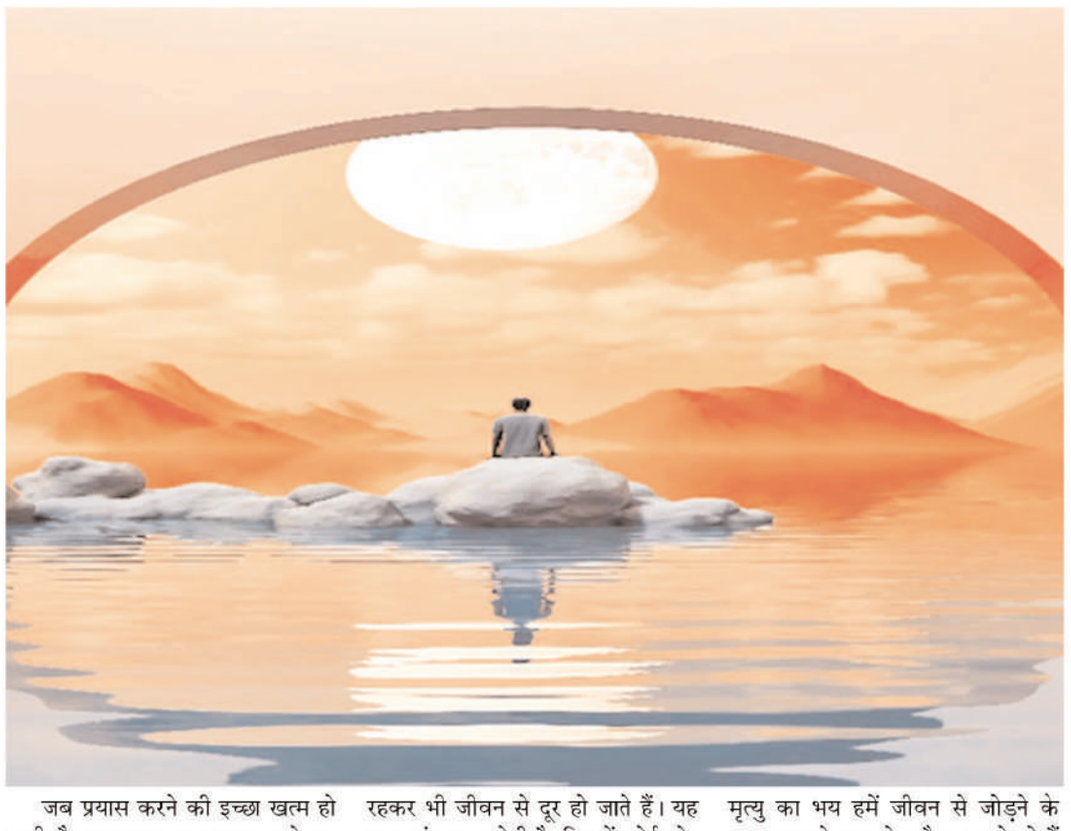

हम अक्सर मृत्यु को जीवन की सबसे बड़ी क्षति मानते हैं। हमें लगता है कि किसी व्यक्ति का चले जाना, उसकी सांसों का थम जाना ही अंतिम और सबसे गहरा दुख है। हम मृत्यु का नाम सुनते ही सिहर उठते हैं। लेकिन इस सोच में हम एक बहुत बड़ी सच्चाई को भूल जाते हैं। मृत्यु तो निश्चित है। वह प्रकृति का नियम है, जिसे कोई रोक नहीं सकता। प्रश्न यह नहीं है कि मृत्यु कब आएगी, बल्कि यह है कि उसके आने तक हम किस तरह का जीवन जी रहे हैं। मृत्यु जीवन की सबसे बड़ी हानि नहीं है, बल्कि सबसे बड़ी हानि वह है, जो हमारे भीतर जीवित रहते हुए मर जाता है। जब हम जीना भूल जाते हैं, तभी हमारे भीतर मृत्यु शुरू होती है। जीने का अर्थ केवल जिम्मेदारियां निभाना नहीं है। जीना है महसूस करना, सवाल करना, गलतियों से सीखना और अपने मन की आवाज को सुनना। लेकिन जीवन की दौड़ में हम इतने व्यस्त हो जाते हैं कि संवेदनाएं बोझ लगने लगती हैं। हम सपनों को अव्यावहारिक कहकर त्याग देते हैं, इच्छाओं को डर के नाम पर दबा देते हैं और धीरे-धीरे एक ऐसा जीवन जीने लगते हैं, जो सुरक्षित तो होता है, पर जीवंत नहीं होता।

जब प्रयास करने की इच्छा खत्म हो जाती है, जब कुछ नया शुरू करने का साहस नहीं बचता, जब असफलता का डर हमें जकड़ लेता है, तब हम जीवित रहकर भी जीवन से दूर हो जाते हैं। यह एक शांत मृत्यु होती है, जिसमें कोई शोर नहीं होता, कोई आंसू नहीं बहते, पर भीतर कुछ हमेशा के लिए समाप्त हो जाता है। मृत्यु का भय हमें जीवन से जोड़ने के बजाय उससे काट देता है। हम सोचते हैं कि समय कम है, इसलिए जोखिम नहीं ले सकते। हम कहते हैं कि हालात ठीक नहीं हैं, इसलिए इंतजार करना बेहतर है। लेकिन यह इंतजार ही वह जगह है, जहां जीवन फिसलता चला जाता है। समय गुजरता रहता है और हम बस देखते रहते हैं। इसी बीच हमारे भीतर की जिज्ञासा, उत्साह और रचनात्मकता दम तोड़ देती है।

सबसे बड़ा नुकसान तब होता है, जब हम स्वयं से समझौता कर लेते हैं। जब हम वह बन जाते हैं, जो हम नहीं हैं, केवल इसलिए कि समाज को यही स्वीकार्य है। जब हम अपने विचारों को छोटा कर लेते हैं, ताकि टकराव न हो। जब हम सच बोलने से बचते हैं, क्योंकि चुप रहना आसान लगता है। हर ऐसा समझौता हमारे भीतर के किसी हिस्से को कमजोर करता है। जीवन का मूल्य उसकी लंबाई में नहीं, उसकी गहराई में होता है। कोई व्यक्ति सौ वर्ष जी सकता है, फिर भी भीतर से खाली रह सकता है, जबकि कोई कम समय में भी जीवन को पूरी तरह महसूस कर सकता है। फर्क इस बात से पड़ता है कि हमने अपने भीतर क्या जीवित रखा। क्या हमने प्रेम को जीवित रखा, करुणा, सच्चाई को, या केवल डर और आदतों के सहारे समय काटा। मृत्यु अपरिहार्य है, लेकिन भीतर का मर जाना हमारी अपनी लापरवाही का परिणाम होता है। हम चाहें तो अपने भीतर की संवेदनाओं को बचा सकते हैं।

जापान में सना ए. ताका इची को प्रचंड जनादेश और विपक्ष का सूपड़ा साफ कर जनता ने क्या संदेश दिया?

इस चुनाव को राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने इसलिए भी महत्वपूर्ण बताया क्योंकि प्रधानमंत्री ताका इची ने महज कुछ ही महीनों पहले सत्ता संभाली थी और यह उनका पहला आम चुनाव था। उन्होंने तीन महीने पहले ही निचले सदन को भंग कर दिया था ताकि जनता से स्पष्ट जनादेश लिया जा सके। चुनाव के दिन भी देश के कई हिस्सों में जोरदार बर्फबारी और ठंडे मौसम के कारण मतदान केन्द्रों पर कठिन परिस्थितियाँ पैदा हुईं, लेकिन इसके बावजूद मतदाताओं की भागीदारी अपेक्षाकृत मजबूत रही। यह दर्शाता है कि जापानी जनता ने ठंडे मौसम और मुश्किल हालात के बावजूद महत्वपूर्ण राजनीतिक फैसले में भाग लेने की प्रतिबद्धता दिखाई। इस चुनाव में विपक्षी दलों को जिस प्रकार की पराजय मिली, वह जापानी राजनीति के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा घटनाक्रम था। मुख्य विपक्षी गठबंधन और छोटे दलों ने जिस तरह अपनी सीटें गंवाईं, उससे स्पष्ट होता है कि इस समय जनता ने ताका इची के नेतृत्व को अधिक भरोसेमंद और स्थिर विकल्प के रूप में चुना। अधिकांश विश्लेषकों का मानना है कि मतदान के पीछे मुख्य कारण आर्थिक और सामाजिक मुद्दों के साथ सुरक्षा नीतियों पर मतदाताओं की चिंताएँ थीं, जिनके प्रति उन्होंने ताका इची की स्पष्ट सोच को प्राथमिकता दी। ताका इची की जीत का विश्लेषण करते हुए कहा जा सकता है कि यह सिर्फ संख्या की जीत नहीं है, बल्कि यह एक राजनैतिक विश्वास का जनादेश भी है। जापान पिछले कुछ वर्षों से बढ़ते आर्थिक दबाव, बुजुर्ग आबादी से जुड़ी सामाजिक चुनौतियों और बढ़ते क्षेत्रीय तनावों के बीच अपना रास्ता ढूंढ़ रहा है। चीन के साथ संबंधों में तनाव, ताइवान को लेकर बदलती भू-राजनीति तथा अमेरिका के साथ सुरक्षा साझेदारी जैसी विषयों को लेकर जनता के भीतर मजबूत भावनाएँ हैं।

-नीरज कुमार दुबे

जापान में निचले सदन के चुनाव परिणाम ने देश की राजनीति में एक नया अध्याय शुरू कर दिया है। इस चुनाव में प्रधानमंत्री सना ए. ताका इची के नेतृत्व वाली लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी ने अभूतपूर्व जीत हासिल की है। पहले चरण के मतगणना के परिणामों के अनुसार ताका इची की पार्टी अकेले ही निचले सदन में 316 सीटें जीतने में सफल रही तथा उसने गठबंधन सहयोगी के साथ मिलकर कुल 352 से अधिक सीटों का दो-तिहाई बहुमत हासिल कर लिया। इस प्रकार वह अकेले ही अपनी पार्टी के बहुमत से कहीं आगे निकल गई और विपक्ष को भारी पराजय का सामना करना पड़ा।

इस चुनाव को राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने इसलिए भी महत्वपूर्ण बताया क्योंकि प्रधानमंत्री ताका इची ने महज कुछ ही महीनों पहले सत्ता संभाली थी और यह उनका पहला आम चुनाव था। उन्होंने तीन महीने पहले ही निचले सदन को भंग कर दिया था ताकि जनता से स्पष्ट जनादेश लिया जा सके। चुनाव के दिन भी देश के कई हिस्सों में जोरदार बर्फबारी और ठंडे मौसम के कारण मतदान केन्द्रों पर कठिन परिस्थितियाँ पैदा हुईं, लेकिन इसके बावजूद मतदाताओं की भागीदारी अपेक्षाकृत मजबूत रही। यह दर्शाता है कि जापानी जनता ने ठंडे मौसम और मुश्किल हालात के बावजूद महत्वपूर्ण राजनीतिक फैसले में भाग लेने की प्रतिबद्धता दिखाई।

इस चुनाव में विपक्षी दलों को जिस प्रकार की पराजय मिली, वह जापानी राजनीति के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा घटनाक्रम था। मुख्य विपक्षी गठबंधन और छोटे दलों ने जिस तरह अपनी सीटें गंवाईं, उससे स्पष्ट होता है कि इस समय जनता ने ताका इची के नेतृत्व को अधिक भरोसेमंद और स्थिर विकल्प के रूप में चुना। अधिकांश विश्लेषकों का मानना है कि मतदान के पीछे मुख्य कारण आर्थिक और सामाजिक मुद्दों के साथ सुरक्षा नीतियों पर मतदाताओं की चिंताएँ थीं, जिनके प्रति उन्होंने ताका इची की स्पष्ट सोच को प्राथमिकता दी।

ताका इची की जीत का विश्लेषण करते हुए कहा जा सकता है कि यह सिर्फ संख्या की जीत नहीं है, बल्कि यह एक राजनैतिक विश्वास का जनादेश भी है। जापान पिछले कुछ वर्षों से बढ़ते आर्थिक दबाव, बुजुर्ग आबादी से जुड़ी सामाजिक चुनौतियों और बढ़ते क्षेत्रीय तनावों के बीच अपना रास्ता ढूंढ़ रहा है। चीन के साथ संबंधों में तनाव, ताइवान को लेकर बदलती भू-राजनीति तथा अमेरिका के साथ सुरक्षा

साझेदारी जैसी विषयों को लेकर जनता के भीतर मजबूत भावनाएँ हैं। ताका इची ने चुनाव के दौरान स्पष्ट रूप से यह संदेश दिया था कि जापान को न केवल आर्थिक सुधारों की आवश्यकता है बल्कि उसे अपनी रक्षा और वैश्विक भूमिका को भी मजबूती से परिभाषित करना होगा।

हम आपको बता दें कि सना ताका इची स्वयं एक लंबा राजनीतिक अनुभव लिये हुए हैं। उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा 1990 के दशक में संसद सदस्य के रूप में शुरू की थी और समय-समय पर कई महत्वपूर्ण विभागों तथा मंत्रालयों में काम किया। अपने अनुभव, दृढ़ नीतियों और स्पष्ट विचारधारा के कारण उन्हें पार्टी में एक मजबूत छवि मिली। वह इस चुनाव से पहले जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं और इस जीत ने उन्हें अपनी पार्टी तथा जनता दोनों से मजबूत समर्थन दिलाया है। ताका इची ने अपने राजनीतिक कॅरियर में व्यापक विषयों पर सार्वजनिक रूप से अपने दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया है, जिनमें आर्थिक नीतियाँ, सामाजिक सुधार, राष्ट्रीय सुरक्षा तथा जापान की अंतरराष्ट्रीय भूमिका शामिल हैं।

उनके नेतृत्व में पार्टी की जीत का एक प्रमुख कारण यह भी बताया जा रहा है कि उन्होंने आर्थिक स्थिरता, रोजगार सृजन और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों को चुनाव में प्रमुख मुद्दों के रूप में उठाया। जापान की अर्थव्यवस्था बड़े कर्ज, कम उत्पादन वृद्धि और बढ़ते जीवनयापन लागत जैसी समस्याओं का सामना कर रही थी, जिनके समाधान के लिये जनता अधिक ठोस नीतियों की उम्मीद कर रही थी। ताका इची ने यह विश्वास दिलाया कि उनकी सरकार इन समस्याओं के समाधान के लिये गंभीर प्रयास करेगी और एक दीर्घकालिक आर्थिक सुधार योजना लागू करेगी। सुरक्षा मामलों में उनकी विचारधारा और भी अधिक स्पष्ट रही है। उन्होंने बार-बार यह कहा कि जापान को अपनी रक्षा नीतियों को अधिक आत्मविश्वास तथा स्वतंत्रता के साथ परिभाषित करना चाहिए। अमेरिका के साथ रक्षा साझेदारियों को और मजबूती प्रदान करना, क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग को बढ़ाना तथा चीन और उत्तर कोरिया जैसे पड़ोसी देशों से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करना उनकी प्राथमिकता रही है। इस दृष्टिकोण ने उन मतदाताओं को प्रभावित किया जो जापान की क्षेत्रीय स्थिति को एक जटिल तथा बढ़ती चुनौतियों वाला क्षेत्र मानते हैं।

वैश्विक स्तर पर भी इस चुनाव के परिणाम का प्रभाव देखा जा रहा है। इंडो-पैसेफिक क्षेत्र में जापान की भूमिका महत्वपूर्ण है और ताका इची की जीत ने यह संकेत दिया है कि जापान वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था तथा आर्थिक साझेदारियों में और अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिये तैयार है। यह क्षेत्रीय स्थिरता, मुक्त व्यापार और सहयोग के लिये एक सकारात्मक संकेत है। जापान की बढ़ती भूमिका ने अमेरिका तथा अन्य मित्र देशों के साथ मिलकर कई साझेदारी योजनाओं को गति दी है और यह उम्मीद जताई जा रही है कि ताका इची सरकार इस दिशा को और मजबूती से आगे बढ़ाएगी। साथ ही भारत-जापान के बीच लंबे समय से मजबूत द्विपक्षीय संबंध रहे हैं। इसी कड़ी में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ताका इची को उनकी शानदार जीत पर व्यक्तिगत रूप से बधाई दी है। मोदी ने यह स्पष्ट किया कि भारत और जापान दोनों ही लोकतंत्रों के साझा मूल्यों, क्षेत्रीय स्थिरता तथा आर्थिक सहयोग के लिये दृढ़ संकल्पित हैं। मोदी की बधाई इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भारत जापान के साथ साझेदारी को और गहरा करना चाहता है, विशेष रूप से रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार तथा क्षेत्रीय सामरिक सहयोग जैसे क्षेत्रों में।

बैंक एग्जाम में इंग्लिश की तैयारी के टिप्स

बैंकिंग या अन्य सरकारी जॉब पाने के इच्छुक युवाओं को रिटन टेस्ट व इंटरव्यू के दौर से गुजरना ही होता है। ऐसी परीक्षाएं मुख्य रूप से ऑब्जेक्टिव टाइप होती हैं और उनमें 4 से 5 पेपर होते हैं। इनमें इंग्लिश लैंग्वेज पेपर भी होता है, जिसमें आप सही तरह से तैयारी करके काफी अच्छा स्कोर कर सकते हैं।

इंग्लिश के पेपर में इंग्लिश कॉम्प्रिहेंशन, ग्रामेटिकल स्किल्स तथा वोकैब्युलरी स्किल्स को परखने के लिए प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रश्न इस तरह सेट किए जाते हैं कि आपके अंगरेजी ज्ञान को अच्छी तरह जांचा जा सके। आम तौर पर यह पेपर 40 अंक का होता है और इसमें वोकैब्युलरी सेक्शन प्रमुख होता है। इसी से सबसे ज्यादा प्रश्न पूछे जाते हैं। उम्मीदवार की वोकैब्युलरी स्किल्स को जांचने के लिए एंटॉनिम्स, सिनॉनिम्स, कॉमन एरर्स, मिसस्पेल्ट वर्ड्स एंड फ्रेजेस से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। इन्हें हल करने के लिए जरूरी है कि उम्मीदवार को भाषा की अच्छी समझ हो। एक नजर डालते हैं वोकैब्युलरी सेक्शन में अच्छा स्कोर करने के लिए जरूरी बातों पर।

पढ़ने की आदत

अपनी वोकैब्युलरी सुधारने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि लगातार इंग्लिश पढ़ते रहें। चाहे अखबार हों या मैग्जीन, ब्लॉग हों या वेबसाइट या फिर किताबें... आपको चाहिए कि आप जहां, जो मिले, उसे पढ़ डालें। जो भी पढ़ें, उसमें नए शब्दों और वाक्यों में उनके प्रयोग पर गौर करें।

नए शब्द सीखें

जब भी, जो भी नया शब्द दिखे, उसका अर्थ डिक्शनरी में देखें। इससे आपकी वोकैब्युलरी सुधरेगी और आपका शब्द भंडार समृद्ध होगा।

लिखते रहें

पढ़ने के साथ ही लिखने की आदत भी डालें। लिखने का अभ्यास भाषा पर आपकी पकड़ को मजबूत करेगा। इससे, जब आप कंपोजिशन लिखेंगे, तो नए शब्दों का प्रयोग करना आपके लिए आसान हो जाएगा। इससे आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

किताबें, मैग्जीन आदि पढ़ना अच्छी बात है लेकिन इसके साथ ही आपको इंग्लिश फिल्में, टीवी सीरियल व नाटक भी देखने चाहिए और इंग्लिश गाने भी सुनने चाहिए। कुल मिलाकर, भाषा को जिस भी रूप में ग्रहण कर सकते हैं, करें। इससे आप और वृहद स्तर पर भाषा का ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।

प्रैक्टिस करें

अनेक कॉम्पिटिशन गाइड बुक्स में इंग्लिश लैंग्वेज के मॉक टेस्ट पेपर तथा सैंपल क्वेश्चन पेपर उपलब्ध होते हैं। इन्हें हल करते रहने से भी आपको काफी मदद मिलेगी। आपको परीक्षा के वोकैब्युलरी सेक्शन के बारे में भी अंदाजा हो जाएगा और नए शब्द व वाक्य भी सीखने को मिलेंगे।

ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री में भी बेस्ट करियर ऑप्शन

अगर आप देश-दुनिया की सैर करने के शौकीन हैं और किसी करियर के तलाश में हैं, तो आप ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री में भी बेस्ट करियर ऑप्शन को चुन सकते हैं।

अक्सर हम पढ़ाई या अपने करियर में ऐसी स्थिति पर आकर खड़े हो जाते हैं जब कुछ समझ नहीं आता है। किस दिशा में करियर बनाया जाए, इस बात को लेकर कुछ लोग काफी कंफ्यूज रहते हैं। सब लोग अलग-अलग राय दे रहे होते हैं। ऐसे में, समझ नहीं आता कि क्या करना कितना सही होगा। जबकि, आज का समय सिर्फ कोर्स या डिग्री तक ही सीमित नहीं है। अगर, आपके अंदर कोई स्किल है, तो आप उसमें भी अपना करियर देख सकती हैं। पर, आज हम बात कर रहे हैं ट्रैवलिंग में करियर बनाने की। यदि आप घूमने-फिरने की शौकीन हैं और अक्सर सैर-सपाटे पर निकलते रहते हैं, तो आप इस क्षेत्र में भी अपना करियर देख सकती हैं। चलिए आज हम आपको ट्रैवल से जुड़े कुछ करियर की ऑप्शन के बारे में बताते हैं।

टूर गाइड में बनाएं करियर

अगर आपको जगह-जगह पर घूमने और उसके बारे में जानने में दिलचस्पी है, तो आप टूर गाइड में अपना करियर बना सकती हैं। इसके लिए आपको नई जगहों की जानकारी होने के साथ ही कहानी कहने का हुनर भी आना चाहिए।

दरअसल, टूर गाइड का काम पर्यटकों को विभिन्न पर्यटन स्थलों की जानकारी देना और उससे जुड़े इतिहास के बारे में बताना होता है। ऐसे में, आपको इन स्थलों के इतिहास की जानकारी होने के साथ उसे बताने का तरीका भी आना चाहिए, ताकि लोगों को आपकी बताई गई बातें आसानी से समझ आए।

ट्रैवल एजेंट की नौकरी भी कर सकते हैं आप

ट्रैवल एंड टूरिज्म के क्षेत्र में ट्रैवल एजेंट की नौकरी को सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। इस नौकरी के लिए आपके अंदर मैनेजमेंट और बजट स्किल का होना जरूरी है। ट्रैवल एजेंट का काम लोगों के लिए बढ़िया ट्रिप खोजना और उसके लिए टूर या ट्रैवल पैकेज तैयार करना होता है। इसमें रिसॉर्ट्स की बुकिंग से लेकर खाने-पीने और घूमने तक पूरा वैकेशन पैकेज तैयार किया जाता है।

ट्रैवल फोटोग्राफी है बेस्ट ऑप्शन

अगर आप ट्रैवल की शौकीन हैं, तो आप ट्रैवल फोटोग्राफर भी बन सकते हैं। इसके साथ ही आप अपना पर्सनल पेज बना सकते हैं, जिसमें कुछ क्रिएटिव फोटोग्राफ क्लिक करके अपलोड कर सकते हैं। आप एक फ्रीलांस ट्रैवल फोटोग्राफर के रूप में काम कर सकते हैं। अपने काम को अलग-अलग ब्रैंड और कंपनियों को बेच सकते हैं। इसके अलावा, आप किसी ट्रैवल कंपनी या प्रकाशन के लिए भी काम कर सकते हैं।

चुनौती भरा कॅरियर मेडिकल लैब टेक्निशियन

लैब टेक्नीशियन नमूनों की जांच का काम करते हैं, लेकिन वे इसके परिणामों के विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित नहीं होते। नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट या लैब टेक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है। जांच के दौरान एमएलटी कुछ सैंपलों को आगे की जांच या फिर जरूरत के अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रख लेता है। एमएलटी का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसकी होती है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में क्लिनिक्ल प्रयोगशाला एक महत्वपूर्ण रोल अदा करता है। छोटी से छोटी बीमारी के लिए डॉक्टर मरीजों का विभिन्न तरह की जांच कराते हैं, ताकि असली मर्ज और उसकी स्थिति का पता चल सके। ऐसे में सही इलाज और दवा के लिए क्लिनिकल प्रयोगशाला की भूमिका अहम हो जाती है। ऐसी प्रयोशालाओं पर काम करने के लिए प्रशिक्षित तकनीशियनों की जरूरत होती है। इन प्रशिक्षित तकनीशियनों को चिकित्सा के क्षेत्र में मेडिकल लेबोरेट्री टेकनोलॉजिस्ट (एमएलटी) कहा जाता है। एमएलटी की पढ़ाई में बायो केमेस्ट्री, माइक्रोबायलॉजी और ब्लड बैंकिंग शामिल हैं। एमएलटी शरीर में खून, खून के प्रकार, सेल और अन्य की अवस्थाओं का विश्लेषण करता है।

नेचर ऑफ वर्क

मेडिकल लैब टेक्नीशियन, डाक्टरों के निर्देश पर काम करते हैं। उपकरणों के रख-रखाव और कई तरह के काम इनके जिम्मे होता है। लेबोरेट्री में नमूनों की जांच और विश्लेषण में काम आने वाला घोल भी लैब टेक्नीशियन ही बनाते हैं। इन्हें मेडिकल साइंस के साथ-साथ लैब सुरक्षा नियमों और जरूरतों के बारे में पूरा ज्ञान होता है। लैब टेक्नीशियन नमूनों की जांच का काम करते हैं, लेकिन वे इसके परिणामों के विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित नहीं होते। नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट या लैब टेक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है। जांच के दौरान एमएलटी कुछ सैंपलों को आगे की जांच या फिर जरूरत के अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रख लेता है। एमएलटी का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसकी होती है।

कोर्स के दौरान क्या पढ़ें

डीपीएमआई की प्रिंसिपल अरूणा सिंह के मुताबिक मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री एवं मास्टर्स के दौरान बेसिक फिजियोलॉजी, बेसिक बायोकेमिस्ट्री एंड ब्लड बैंकिंग, एनाटोमी एंड फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, पैथोलॉजी, एनवारमेंट एंड बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, मेडिकल लेबोरेट्री टेक्नोलॉजी एंव अस्पताल प्रषिक्षण की पढ़ाई जाती है।

कोर्स एवं योग्यता

सर्टिफिकेट इन मेडिकल लैब टेक्नालॉजी (सीएमएलटी) यह छह महीने का कोर्स है जिसके लिए योग्यता है 10वीं पास। वहीं डिप्लोमा इन मेडिकल लैब टेक्निोलॉजी के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इस कोर्स की अवधि है एक साल। 12वीं में प्रमुख विशय के रूप में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी (पीसीबी) तथा फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स (पीसीएम) के साथ पास होना अनिवार्य है। बीएससी इन एमएलटी के लिए 12वीं विज्ञान विशयों के साथ तो उत्तीर्ण होना जरूरी है ही साथ ही इस कोर्स की अवधि है तीन वर्श। एमएससी इन मेडिकल लेबोरेटी टेक्नोलॉजिस्ट (एमएलटी) प्रोग्राम में प्रवेश करने के लिए अभ्यर्थी के पास पहले हाई स्कूल डिप्लोसमा होना चाहिए। इसके बाद दो साल का एसोसिएट प्रोग्राम करना होता है। यह प्रोग्राम कम्युनिटी कॉलेज, टेक्निक्ल स्कूल, वोकेशनल स्कूल या विश्वविद्यालय द्वारा कराया जाता है।

कहां कहां है अवसर

मेडिकल लेबोरेट्री तकनीशियनों को काम में निपुणता और जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण की जरूरत पड़ती है। छात्र इस तरह क प्रशिक्षण लेबोरेट्री कार्यों के दौरान ही साथ ही साथ प्राप्त कर सकते हैं। अधिकतर प्रांतों में मेडिकल लेबोरेट्री तकनीशियनों के लिए कोई प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं होती लेकिन कुछ राज्यों में इन तकनीशियनों के पास काम करने के लिए प्रमाण पत्र होना जरूरी है। प्रमाण पत्र वाले तकनीशियनों के लिए इस क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं होती हैं। आप किसी भी मेडिकल लेबोरेट्री, हॉस्पिटल, पैथोलॉजिस्ट के साथ काम कर सकते हैं। ब्लड बैंक में इनकी खासी डिमांड रहती है। आप बतौर रिसर्चर व कंसल्टेंट के अलावा खुद का क्लिनिक खोल सकते हैं ऐसा कहना है डीपीएमआई की प्रिंसिपल अरूणा सिंह का।

आमदनी

सामान्य तौर पर एक एमएलटी का वेतन दस हजार से शुरू होता है जबकि पैथोलॉजिस्ट को तीस हजार से चालीस हजार तक सैलरी मिल जाती है। साथ ही योग्यता और तजुर्बे के आधार पर उनके वेतन में इजाफ। होता चला जाता है। देष के साथ साथ विदेषों में भी इनकी खासी डिमांड है।

प्रमुख संस्थान

- डेल्ही पारामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट (डीपीएमआई), नई दिल्ली
- षिवालिक इंस्टीट्यूट ऑफ पारामेडिकल टेक्नोलॉजी, चंडीगढ़
- पारा मेडिकल कॉलेज, दुर्गापुर, पष्चिम बंगाल
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पारामेडिकल साइंसेज, लखनऊ
- डिपार्टमेंट ऑफ पैथालॉजी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़।

पहली जॉब ज्वॉइन करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

यह सच है कि पहली जॉब अपने साथ एक उमंग लेकर आता है। लेकिन इस उमंग और उत्साह के बीच आपको अपनी समझदारी को नहीं खोना चाहिए। चूंकि आप अभी-अभी अपने प्रोफेशनल जीवन की शुरूआत कर रहे हैं, इसलिए आपको कई बातों का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए। याद रखें कि एक अच्छी जॉब मिलना जितना मुश्किल है, उससे भी कठिन है उसमें बने रहना और समय के साथ ग्रोथ करना। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स बता रहे हैं, जो पहली जॉब में आपको ग्रोथ करने में मदद करेंगे-

जॉब आपके अनुकूल है या नहीं

कुछ लोगों के मन में अपनी प्रोफेशनल लाइफ को शुरू करने को लेकर इतना उत्साह होता है कि वह अन्य कुछ भी सोचना नहीं चाहते। जबकि आपको यह गलती नहीं करनी चाहिए। जब आप अपनी जॉब ज्वॉइन कर रहे हैं तो यह अवश्य देखें कि ऑफिस आपके घर से कितना दूर है। क्या आप हर दिन सुविधापूर्वक ऑफिस जा सकते हैं। इसके अलावा, आपके काम की टाइमिंग क्या है। हर छोटे-बड़े पहलू पर ध्यान देकर ही जॉब ज्वॉइन करें। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो कुछ ही दिनों में आपको तनाव होने लगेगा।

सीखते रहने पर दें जोर

कुछ लोग जॉब शुरू करते हैं तो उनके कोई खास टास्क दिया जाता है और वह केवल उसे ही करते चले जाते हैं। लेकिन आपको यह ध्यान देना चाहिए कि यह आपकी पहली जॉब है और इसलिए ऐसा बहुत कुछ है, जिसे अभी सीखा जाना बाकी है। इसलिए, जब आप अपनी प्रोफेशनल लाइफ में कदम रख दें, तब भी अपने सीखने के प्रोसेस को स्टॉप ना करें। ऑफिस के अलावा इंटरनेट, किताबों व शॉर्ट टर्म कोर्सेस के जरिए ऐसी चीजें सीखने की कोशिश करें, जो आपको एक अच्छी ग्रोथ दे सकें।

ऑफिस वियर का ध्यान रखना

जो लोग अपनी फर्स्ट जॉब में होते हैं, वह अक्सर प्रोफेशनल लाइफ को लेकर बेहद सजग नहीं होते। खासतौर से, जिन ऑफिस में ड्रेस कोड नहीं होता है, वहां पर अक्सर न्यूकमर्स कुछ भी पहन लेते हैं। जबकि आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। ध्यान दें कि इससे आपकी प्रोफेशनल इमेज डैमेज होती है। भले ही यह आपकी पहली जॉब है, लेकिन फिर भी आपको अपने आउटफिट से लेकर बातचीत करने के अंदाज यहां तक कि बॉडी लैंग्वेज आदि हर चीज का ख्याल रखना चाहिए। यह सभी चीजें आपके करियर को बहुत अधिक इफेक्ट करती हैं।

कंपनी पॉलिसी को करें चेक

अगर नई जॉब ज्वॉइन करते समय आप कोई कॉन्ट्रैक्ट साइन कर रहे हैं तो यह बेहद आवश्यक है कि आप सभी नियमों व कंपनी पॉलिसी को अवश्य पढ़ें। अक्सर पहली जॉब में लोग इसे पढ़ना जरूरी नहीं समझते। लेकिन वास्तव में यह बेहद अहम् है। कभी-कभी कंपनी के ऐसे कुछ नियम होते हैं, जो बाद में आपके लिए परेशानी का सबब बन सकते हैं। इसके अलावा, आपको कंपनी की सोशल मीडिया पॉलिसी भी अवश्य चेक करनी चाहिए। दरअसल, इन दिनों कई कंपनियां काम के घंटों में कर्मचारियों को सोशल मीडिया साइट्स चलाने की अनुमति नहीं देती हैं। ऐसे में अगर आप उस समय सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट करते हैं तो यह आपके काम व जॉब के लिए भी नुकसानदायक हो सकता है।

ओवरलोड राखड़ व प्रदूषण मानक उल्लंघन पर परिवहन विभाग की बड़ी कार्यवाही, 4.04 लाख का राजस्व वसूला

बिना तिरपाल परिवहन करने वाले मालवाहक वाहनों पर सख्ती, सड़क सुरक्षा व पर्यावरण संरक्षण को लेकर चला सघन जांच अभियान

सिंगरौली। जिले में सड़क सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को लेकर परिवहन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ओवरलोड एवं प्रदूषण मानकों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर शिकंजा कसा है। कलेक्टर गौरव बैनल के निर्देश एवं क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी विक्रम सिंह राठौर के मार्गदर्शन में जिलेभर में सघन जांच एवं जनजागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान कुल 4 लाख 04 हजार रुपये का शासकीय राजस्व वसूला गया।

अभियान के अंतर्गत परसौना से बरिगवा बायपास, विंध्यनगर-तेलगवा-शक्तिनगर मार्ग, बंधा-उज्जैनी-सरई मार्ग तथा झिगुरदह-शुक्ला मोड़ तक वाहनों की गहन जांच की गई। विशेष रूप से कोयला, रेत, गिट्टी एवं राखड़ (फ्लाई ऐश) का बिना तिरपाल और ओवरलोड परिवहन करने वाले मालवाहक वाहनों पर सख्त चालानी कार्रवाई की गई। जांच के दौरान प्रदूषण प्रमाणपत्र , बीमा, फिटनेस और अन्य वैधानिक दस्तावेजों की भी बारीकी से पड़ताल की गई। सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के निर्देशानुसार चिन्हित मालवाहक वाहनों में रेडियम रिफ्लेक्टर लगाए गए, जिससे रात्रिकालीन दुर्घटनाओं की आशंका कम हो सके। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया कि शासकीय कार्य में बाधा डालने अथवा अधिकारियों से अभद्रता करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत एफआईआर दर्ज की जाएगी। आरटीओ विक्रम सिंह राठौर ने बताया कि यह अभियान केवल दंडात्मक कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि आमजन और वाहन चालकों को नियमों के प्रति जागरूक करने का भी प्रयास है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। रेडियम रिफ्लेक्टर लगाने की पहल को स्थानीय नागरिकों ने सराहा और इसे दुर्घटना रोकथाम की दिशा में प्रभावी कदम बताया।

दिवंगत आरक्षक के परिजनों को मिला 10 लाख का सहारा

सिंगरौली। पुलिस विभाग की संवेदनशीलता और मानवीय सोच का परिचय देते हुए सोमवार को दिवंगत आरक्षक के परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। पुलिस अधीक्षक कार्यालय सिंगरौली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पुलिस सैलरी पैकेज अंतर्गत संचालित जीवन बीमा योजना के तहत स्वर्गीय आरक्षक अनिल कुमार रौतेल के माता-पिता को 10 लाख रुपये का सहायता चेक सौंपा गया। उल्लेखनीय है कि दिनांक 29 जून 2025 को पुलिस लाइन में पदस्थ आरक्षक अनिल कुमार रौतेल का बीमारी के कारण

असामयिक निधन हो गया था। परिवार पर आए इस दुखद संकट के बाद पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के सतत प्रयासों से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, मुख्य शाखा बैढ़न के सहयोग से जीवन बीमा योजना के अंतर्गत सहायता राशि स्वीकृत कराई गई। सोमवार को स्टेट बैंक मुख्य शाखा बैढ़न के शाखा प्रबंधक केशव कामथ द्वारा दिवंगत आरक्षक की माता श्रीमती समरो बाई के नाम जारी 10 लाख रुपये का चेक पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर सूबेदार आशीष तिवारी, उप निरीक्षक (आ) दिलीप परते, सहायक उप निरीक्षक (एम) सतीश कुमार तथा स्टेट बैंक के अधिकारी सुजेय कुमार (असिस्टेंट मैनेजर) उपस्थित रहे।पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस विभाग अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के साथ हर परिस्थिति में खड़ा है। यह सहायता राशि दिवंगत आरक्षक के परिजनों को आर्थिक संबल प्रदान करेगी और उनके भविष्य को सुरक्षित करने में सहायक होगी।

गैस पाइपलाइन ने बिगाड़ दी शहर की सूरत, बिना अनुमति सड़क खोदकर उड़ाई विकास की धज्जियां

सिंगरौली। शहर की सुंदरता और सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था को गैस पाइपलाइन बिछाने के नाम पर खुलेआम तहस-नहस कर दिया गया है। बिना नगर निगम की स्पष्ट अनुमति और स्वीकृत लेआउट के सड़कों को तोड़ा जा रहा है, जिससे लाखों-करोड़ों रुपये की लागत से बनी सड़कें चंद दिनों में खंडहर जैसी हालत में पहुंच गई हैं। सबसे ज्यादा बुरा हाल बिलौंजी-पचखोरा बिजली विभाग सड़क मार्ग का है, जहां सड़क का कचूमर निकाल दिया गया है। जहां कभी चिकनी और मजबूत सड़क हुआ करती थी, वहां अब गहरे गड्ढे, बिखरी मिट्टी और उड़ती धूल लोगों का स्वागत कर रही है। दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह मार्ग जानलेवा बन चुका है, वहीं पैदल चलने वालों को हर कदम पर हादसे का डर सता रहा है। स्कूल जाने वाले बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं सबसे ज्यादा परेशान हैं। धूल के गुबार से लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है और आसपास के दुकानदारों का व्यापार भी चौपट हो गया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि गैस पाइपलाइन का कार्य पूरी तरह मनमानी तरीके से किया जा रहा है। न तो ट्रैफिक डायवर्जन की व्यवस्था की गई है, न ही सड़क को तोड़ने के बाद तत्काल मरम्मत का कोई इंतजाम है। जगह-जगह मिट्टी के ढेर लगे हैं, जिससे घंटों जाम की स्थिति बनी रहती है। इसके बावजूद नगर निगम सिंगरौली के जिम्मेदार अधिकारी कुछ बोलने को तैयार नहीं हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सड़क नगर निगम की संपत्ति है तो बिना अनुमति उसे कैसे तोड़ा जा सकता है? क्या नगर निगम ने इस कार्य के लिए कोई लिखित स्वीकृति दी है, या फिर सब कुछ मिलीभगत से चल रहा है? करोड़ों रुपये की लागत से बनी सड़क को इस तरह ध्वस्त करना जनता के पैसे की खुली बर्बादी नहीं तो और क्या है। स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि विकास के नाम पर विनाश किया जा रहा है। अगर यही हाल रहा तो आने वाले दिनों में पूरे शहर की सड़कें खंडहर में बदल जाएंगी। नागरिकों ने मांग की है कि गैस पाइपलाइन का कार्य तत्काल रोका जाए, दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों पर कार्रवाई हो तथा सड़क की गुणवत्ता के साथ दोबारा निर्माण कराया जाए। नगर निगम की चुप्पी इस पूरे मामले को और संदिग्ध बना रही है।

रिहंद डैम में सेल्फी बनाते समय किशोर डूबा, एसडीआरएफ कर रही तलाश

स्टीमर मोड़ते समय संतुलन बिगड़ा, साथी ने बचाने की कोशिश की लेकिन नहीं मिली सफलता

बैढ़न कोतवाली क्षेत्र के बलियरी का रहने वाला है 18 वर्षीय संतोष शाह

सिंगरौली

कोतवाली बैढ़न क्षेत्र अंतर्गत बलियारी स्थित रिहंद डैम में आज दिन सोमवार की सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां स्टीमर में बोटिंग के दौरान सेल्फी वीडियो बना रहा एक किशोर अचानक पानी में गिरकर डूब गया। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया और प्रशासन द्वारा

एसडीईआरएफ की मदद से किशोर की तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार आज दिन सोमवार की सुबह करीब 10 बजे संतोष शाह उम्र 18 वर्ष, पिता राम सजीवन शाह, निवासी बलियरी अपने साथियों अरविंद शाह और आशीष कुमार के साथ मछली पकड़ने वाली स्टीमर में बैठकर रिहंद डैम में बोटिंग कर रहा था। स्टीमर को सोनू खैरवार चला रहा था। इसी दौरान संतोष शाह स्टीमर पर खड़े होकर सेल्फी वीडियो बना रहा था। जैसे ही स्टीमर को मोड़कर वापस लाया जा रहा था, संतुलन बिगड़ने से संतोष शाह अचानक डैम के गहरे पानी में गिर गया। साथी अरविंद शाह ने उसे बचाने के लिए तुरंत पानी में छलांग लगाई, लेकिन गहराई अधिक होने के कारण वह संतोष को बचा नहीं सका और वह डूब गया। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंचा तथा एसडीईआरएफ की टीम की मदद से किशोर की तलाश शुरू कर दी गई है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

इनका कहना

बलियरी के तीन युवक रिहंद डैम में गये थे, जहां एक युवक संतोष शाह अचानक डैम के गहरे पानी में डूब गया, जिसकी तलाश एसडीआरएफ टीम की मदद से की जा रही है।

उदयचन्द्र करिहार
उप निरीक्षक, कोतवाली बैढ़न

देवसर में झोलाछाप डॉक्टरों का बायो मेडिकल कचरा बना बच्चों के लिए जहर

माड़ी रोड पर खुलेआम फेंका जा रहा जहरीला कचरा, स्वास्थ्य विभाग की चुप्पी पर उठे गंभीर सवाल

सिंगरौली। देवसर क्षेत्र के माड़ी रोड पर इन दिनों इंसानियत को शर्मसार करने वाली तस्वीरें सामने आ रही हैं। हर्रा छंदा के पास दर्जनों झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा अपनी अवैध क्लीनिकों से निकलने वाला बायो मेडिकल कचरा सड़क किनारे खुलेआम फेंका जा रहा है। यह कचरा केवल गंदगी नहीं, बल्कि मौत का सामान है। जिसमें एक्सपायरी दवाएं, जहरीली गोलियां, इस्तेमाल की गई सीरिंज, नीडल और मेडिकल बोतलें शामिल हैं। सबसे भयावह बात यह है कि इसी जहरीले ढेर के बीच छोटे-छोटे बच्चे खेलते नजर आते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार यह कोई एक-दो दिन की घटना नहीं, बल्कि झोलाछाप डॉक्टरों की नियमित आदत बन चुकी है। क्लीनिक बंद होते ही कचरा उठाकर पास ही माड़ी रोड के किनारे फेंक दिया जाता है। धीरे-धीरे यहां बायो मेडिकल कचरे का पहाड़ खड़ा हो गया है। बच्चे इन दवाओं और सीरिंज को खिलौने समझकर उठा लेते हैं, जिससे उनके हाथ-पैर में चोट

लग जाती है और गंभीर संक्रमण का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार बच्चों को बुखार, फोड़े-फुंसी और त्वचा संक्रमण की शिकायतें हुई हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर स्वास्थ्य विभाग कहां है? नियमों के अनुसार बायो मेडिकल कचरे का सुरक्षित निपटान अनिवार्य है, लेकिन देवसर में यह नियम सिर्फ कागजों तक सीमित रह गया है। हर्रा छंदा क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित दर्जनों झोलाछाप डॉक्टर बिना किसी डर के लोगों की जान से खेल रहे हैं। न तो इनकी जांच होती है और न ही इनके कचरे पर कोई निगरानी। यह स्थिति बताती है कि स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही अब अपराध की श्रेणी में आ चुकी है।स्थानीय नागरिकों में इस मुद्दे को लेकर भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि अगर समय रहते प्रशासन ने सख्त कदम नहीं उठाए तो यह इलाका गंभीर बीमारियों का केंद्र बन सकता है। सड़क किनारे फेंका गया मेडिकल कचरा न केवल बच्चों, बल्कि राहगीरों और पशुओं के लिए भी जानलेवा साबित हो सकता है। कई बार आवारा पशु इन दवाओं को सूंघते और मुंह में डाल लेते हैं, जिससे उनकी मौत तक हो सकती है।

झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्यवाही की मांग

ग्रामीणों ने मांग की है कि झोलाछाप डॉक्टरों पर तत्काल कार्रवाई की जाए, उनकी क्लीनिकों को सील किया जाए और बायो मेडिकल कचरे के सुरक्षित निस्तारण की व्यवस्था की जाए। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए, जिन्होंने आंख मूंदकर इस गंभीर समस्या को नजरअंदाज किया। देवसर की माड़ी रोड पर फैला यह जहरीला कचरा केवल गंदगी नहीं, बल्कि प्रशासनिक असफलता की खुली तस्वीर है। अगर अब भी कठोर कदम नहीं उठाए गए, तो किसी बड़े हादसे की जिम्मेदारी सीधे स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन पर होगी। सवाल साफ है। क्या देवसर के बच्चों की जान इतनी सस्ती है कि उन्हें जहरीली दवाओं के ढेर पर खेलने के लिए छोड़ दिया जाए?

सीईओ जिला पंचायत की अध्यक्षता में कौशल विकास समिति की बैठक आयोजित

सिंगरौली। सीईओ जिला पंचायत के अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कौशल विकास समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत ने 17 फरवरी को सरई आईटीआई परिसर में आयोजित होने वाले रोजगार मेले के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होने कहा कि रोजगार मेले में भाग लेने वाली सभी औद्योगिक कम्पनिया प्रारंभिक चयन प्रक्रिया के उपरांत एक निर्धारित समय में चयनित अभ्यर्थियो को रोजगार के अवसर उपलब्ध करायें। उन्होने निर्देश दिए कि औद्योगिक कम्पनिया सूचित की गई रिक्तयो के अनुसार अधिक से अधिक अभ्यर्थियो को पूरी पारदर्शी प्रक्रिया के साथ चयनित करे। रिक्त पदो एवं भर्तीयो की समीक्षा करते हुयें निर्देश दिए कि संबंधित विभाग उनके यहा से होने वाली युवाओ की भर्ती के संबंधित प्रक्रिया पूरा फालोअप करे। प्रक्रिया को पूर्ण करने में अभ्यर्थी की सहायता करे। इसी के साथ रोजगार मेलो के अलावा भी अन्य कैम्पस सलेक्शन का आयोजन युवाओ को रोजगार उपलब्ध कराना भी सुनिश्चित करे।

एनटीपीसी रिहंद ने मनाया 51वां स्थापना दिवस

भव्य सांस्कृतिक संध्या में बॉलीवुड गायिका स्नेहा शंकर ने दी प्रस्तुति

बीजपुर

सोनभद्र के बीजपुर स्थित एनटीपीसी रिहंद में कंपनी का 51वां स्थापना दिवस भव्य सांस्कृतिक संध्या के साथ मनाया गया। इस अवसर पर एनटीपीसी लिमिटेड के 50 स्वर्णिम वर्ष पूरे होने का भी जश्न मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (उत्तर) गौतम देब थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि गौतम देब, परियोजना प्रमुख (रिहंद) अनिल श्रीवास्तव और उत्तरी क्षेत्र की विभिन्न परियोजनाओं से आए अन्य विशिष्ट अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस भव्य सांस्कृतिक संध्या में बॉलीवुड की मशहूर प्लेबैक सिंगर स्नेहा शंकर को आमंत्रित किया गया था, जिन्होंने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

यह सांस्कृतिक संध्या एनटीपीसी परिवार की एकजुटता, प्रतिबद्धता और गौरव की भावना को दर्शाती है, जो सतत विकास और राष्ट्रीय प्रगति के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक के साथ-साथ विंध्याचल, सिंगरौली, दादरी, ऊंचाहार, टांडा और मेजा जैसी उत्तरी क्षेत्र की अन्य परियोजनाओं के प्रमुख, महिला मंडलों की अध्यक्षाएं, तथा एनटीपीसी रिहंद के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वच्छता में सबके प्रयास और सहभागिता आवश्यक : स्वास्थ्य अधिकारी

नगर निगम में नागरिक जुड़ाव हेतु कार्यशाला का आयोजन

सिंगरौली। निगमायुक्त सविता प्रधान के निर्देशानुसार शहरी नागरिकों को स्वच्छता से जोड़ने की पहल अंतर्गत नगर निगम सभागार में क्षमतावर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें शहर के आरआरआर सेंटर,झोला बैंक,बुक बैंक,नेकी की दीवार और बर्तन बैंक के संचालक,एसटीपी एवं एफएसटीपी के प्रतिनिधि, ठोस

कचरा उत्पादक,रहवासी कल्याण समिति, बाजार कल्याण समिति, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, एनसीएल एनटीपीसी एवं अदानी टाउनशिप के प्रतिनिधि सहित प्लास्टिक विक्रेताओं की सहभागिता रही। कार्यशाला के दौरान स्वच्छ सर्वेक्षण के जमीनी सत्यापन के दौरान आवश्यक सभी दिशा निर्देशों को सांझा किया जाकर शहर की स्वच्छता में सबके प्रयास और नवाचारों हेतु विकल्पों को चर्चा में लाया गया। सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध को प्रभावी बनाने हेतु नागरिक संस्थाओं और स्व-सहायता समूहों के सहयोग से कपड़े के थैले तैयार करवाकर बाजार में विकल्प के तौर पर उपलब्ध करवाने पर सहमति बनी। कार्यशाला में मुख्य रूप से स्वास्थ्य अधिकारी बालगोविंद चतुर्वेदी,आईईसी मैनेजर आशीष शुक्ला,साक्षी सिंह परमार, स्वच्छता समन्वयक भानु प्रताप सोनी, आईईसी टीम लीडर नितेश सिंह, अनिल अग्रवाल, पीयूष केशरी, राजा राम केशरी, संजय कुमार चतुर्वेदी, बृजेश शुक्ला, पूनम रावत, शिवेश्वर पाण्डेय,पीयूष सिंह,अर्पित गुप्ता,संतमुनि, डॉ. राजेश कुमार,ज्योति दुबे,आर पी चौधरी,सीएमपी तिवारी,सचिन दवे उपस्थित रहे।

बोर्ड परीक्षा के संचालन हेतु कलेक्टर द्वारा दल किया गया गठित

सिंगरौली। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी परीक्षाओं में अनुचित साधनों का उपयोग रोकने कलेक्टर गौरव बैनल ने अनुभाग स्तर, जिला स्तर तथा विकासखण्ड स्तर पर निरीक्षण दलों (फ्लाइंग स्क्वाड) का गठन किया है.अनुभाग स्तर पर गठित फ्लाइंग स्क्वायड की कमान संबंधित अनुभाग के एसडीएम को सौंपी गई हैं। वहीं, जिले में स्थित सभी परीक्षा केंद्रों के आकस्मिक निरीक्षण के लिये जिला शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में जिला स्तरीय निरीक्षण दल का गठन किया हैं।

भव्य काव्यगोष्ठी में गूंजी साहित्य की स्वर लहरियां, कवियों ने रचनाओं से बांधा समां

सिंगरौली। मध्यप्रदेश हिन्दी साहित्य सम्मेलन जिला इकाई सिंगरौली के तत्वावधान में रविवार को उत्कृष्ट हायर सेकेंडरी स्कूल के सभागार में एक भव्य काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले सहित रीवा से आए कवियों ने अपनी उत्कृष्ट रचनाओं से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। काव्यगोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. कैलाश तिवारी (रीवा) ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना एवं वाणी वंदना से हुआ। संस्था के सचिव संजीव पाठक सौम्य एवं उपाध्यक्ष डॉ. सुरेश कुमार मिश्र गौतम ने आमंत्रित कवियों का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया। मंच संचालन संस्था अध्यक्ष डॉ. प्रदीप द्विवेदी 'सत्यव्रत' ने किया। वरिष्ठ गीतकार शालिनी श्रीवास्तव ने मां शारदा की वंदना प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। नवोदित कवयित्री शिवांगी गुप्ता ने कलम की ताकत पर आधारित रचना प्रस्तुत की, वहीं उर्मिला तिवारी ने प्रेमभाव से ओतप्रोत काव्य पाठ किया। वरिष्ठ कवि शंकर प्रसाद शुक्ल ने मानवीय मूल्यों पर केंद्रित रचनाएं सुनाईं। शालिनी श्रीवास्तव के रामकाव्य गीतों ने श्रोताओं को भावनात्मक रूप से जोड़ दिया। संस्था के सचिव संजीव पाठक 'सौम्य' ने सामाजिक विसंगतियों पर कटाक्ष करती रचना प्रस्तुत की, जबकि डॉ. सुरेश मिश्र 'गौतम' ने गीत, गजल और मुक्तकों से खूब तालियां बटोरीं। वरिष्ठ कवि सुरेश गुप्त ग्वालियरी की रचना ने रिश्तों की संवेदनशीलता को उजागर किया। अंत में अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. कैलाश तिवारी ने अपने गीतों व मुक्तकों से सभागार को काव्य रस से सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम के अंत में स्कूल के डायरेक्टर सूरज तिवारी ने आभार व्यक्त किया। अतिथियों को शॉल व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया तथा स्वल्पाहार के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

तृप्ति डिमरी ने बताया शाहिद के साथ काम करने का अनुभव

बॉक्स ऑफिस नंबर याद नहीं रहते'

नेशनल क्रश का तमगा पा चुकीं अभिनेत्री तृप्ति डिमरी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'ओ रोमियो' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म में तृप्ति शाहिद कपूर के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। इस मल्टीस्टारर फिल्म में वह अफशा का किरदार निभा रही हैं। हाल ही में तृप्ति ने अमर उजाला से खास बात की। इस दौरान उन्होंने इस फिल्म और शाहिद कपूर के साथ काम करने के अनुभव समेत कई मामलों पर खुलकर बात की। 'ओ रोमियो' में अपने किरदार को लेकर तृप्ति ने कहा, 'जब यह फिल्म मुझे ऑफर हुई तो मैं बहुत खुश थी। यह एक चुनौतीपूर्ण किरदार था। ऐसे किरदार मुझे आकर्षित करते हैं। मुझे लगता है कि जो भूमिकाएं होती हैं वो ही एक अभिनेता को आगे बढ़ने का मौका देती हैं। फिर यह फिल्म भी विशाल भारद्वाज की थी, इसलिए मना करने का तो सवाल ही नहीं उठता था। जीवन में कभी सोचा नहीं था कि नाना पाटेकर और फरीदा जलाल जैसे कलाकारों के साथ स्क्रीन साझा करने का मौका मिलेगा। कुल मिलाकर इस फिल्म ने अभिनेता के रूप में मुझे और भी मजबूत बना दिया।' फिल्म से जुड़े अपने अनुभव और किरदार के लिए मेहनत के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि फिल्म के लिए मैंने काफी वर्कशॉप की थीं। हमने अफशा के किरदार को अच्छे से समझने की कोशिश की। विशाल सर भी हमारी वर्कशॉप में शामिल होते थे। खासकर इस लड़की के मन को समझने पर सबसे ज्यादा चर्चा होती थी। मुझे लगता है कि यह सारी बातचीत और तैयारी मेरे लिए बहुत उपयोगी साबित हुई। जब आपके पास अपने किरदार की पूरी बैकग्राउंड और उसकी आंतरिक दुनिया साफ होती है, तो उसे कैमरे पर निभाना बहुत स्वाभाविक लगता है। शाहिद कपूर को लेकर तृप्ति का कहना है कि उनके साथ काम करना काफी शानदार रहा। वह बहुत ही मददगार हैं। शुरुआत में मैं थोड़ा शांत रहती थी। किरदार की भी यही जरूरत थी और मैं हूं भी थोड़े शांत स्वभाव की। सेट पर पहला दिन ही मेरे लिए काफी मुश्किल था। हमें एक इमोशनल सीन करना था। मैं अपने जोन में थी और उनसे एक बार भी बात तक नहीं की थी। हालांकि, मन ही मन मुझे लग रहा था कि पता नहीं वो मेरे बारे में क्या सोच रहे होंगे? लेकिन शाहिद ने यह बात तुरंत समझ ली। उन्हें महसूस हो गया कि मैं बस सीन पर फोकस कर रही हूं।

यह उनकी बहुत खूबसूरत बात है। सेट पर शाहिद पहले दिन से ही बहुत मददगार रहे। कई बार सीन करते समय बहुत घबराहट होती थी। प्रेशर लगता था पर वो बिना कुछ कहे समझ जाते थे और माहौल हल्का कर देते थे। मैंने शाहिद की लगभग सारी फिल्में देखी हैं। मैं हमेशा से उनके साथ काम करना चाहती थी। जब मुझे यह मौका मिला, तो मैं सच में बहुत खुश थी। ऐसा लगा जैसे मेरी एक पुरानी इच्छा पूरी हो गई हो। यह मेरे लिए एक तरह का फैन मोमेंट था। फिल्म की रिलीज वाले दिन होने वाली घबराहट को लेकर अभिनेत्री का मानना है कि जिस दिन मेरी कोई फिल्म या प्रोजेक्ट रिलीज होता है, उस दिन दिमाग में बहुत कुछ चल रहा होता है। मैं यह नहीं कहूंगी कि मुझे फर्क नहीं पड़ता। मुझे बहुत फर्क पड़ता है। आप चाहे जितनी कोशिश कर लो कि टेंशन न लो, लेकिन टेंशन आ ही जाती है। ऐसे वक्त में मैं अपने दोस्तों के साथ रहना ज्यादा पसंद करती हूं। वे बहुत ईमानदार हैं। अगर मैं कुछ गलत कर दूं, तो सीधे बोल देते हैं। और अगर कुछ अच्छा कर दूं, तो ज्यादा तारीफ भी नहीं करते। बॉक्स ऑफिस पर नंबर्स पर तृप्ति ने कहा कि मेरे लिए हर फिल्म की अपनी किस्मत होती है और अपनी एक यात्रा। अगर कोई फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा नहीं करती, तो इसका मतलब यह नहीं होता कि फिल्म अच्छी नहीं थी। अब तक मैंने जितनी भी फिल्में की हैं, हर फिल्म के साथ मेरा अनुभव अच्छा रहा है। दस साल बाद जब पीछे मुड़कर देखते हैं, तो बॉक्स ऑफिस के नंबर याद नहीं रहते। सेट पर क्या हुआ था, किससे क्या बात हुई थी और क्या सीखा, यही याद रह जाता है। इसलिए मुझे लगता है कि हर फिल्म मेरे लिए खूबसूरत रही है। चाहे उसका परिणाम कुछ भी क्यों न हो। ऑनलाइन ट्रोलिंग पर एक्ट्रेस ने कहा कि वैसे तो मैं कई चीजें इग्नोर करती हूं पर आखिरकार मैं भी इंसान ही हूं। मुझे भी बुरा लगता है। कभी-कभी बहुत रोती भी हूं। हालांकि, कोई मेरी फिल्म या मेरे काम की आलोचना करे तो तकलीफ नहीं होती। लेकिन अगर कोई पर्सनल कमेंट कर दे तो वह बात मुझे बहुत बुरा लगता है।

पैपराजी पर भड़कीं आयशा खान, बोलीं- वो सहमति का मतलब नहीं जानते' एआई के गलत इस्तेमाल को भी बताया खतरनाक

आजकल एआई से किसी फोटो या वीडियो को एडिट करना कोई बड़ी बात नहीं है। एडिट होने के बाद भी आप असली और एडिट किए हुए फोटो में फर्क नहीं बता सकते। इसी को लेकर एक्ट्रेस आयशा खान ने खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे उनके फोटो और वीडियो एआई से एडिट करके वायरल किए जाते हैं। जो देखने में बिलकुल असली लगते हैं। आयशा खान ने कहा कि उन्हें खुद कई ऐसे बदले हुए फोटो सोशल मीडिया पर मिले हैं, जो देखने में बहुत असली लगते हैं। इन तस्वीरों को देखकर उन्हें काफी दुख होता है और डिस्टर्बिंग लगता है। पिंकविला के साथ इंटरव्यू में आयशा ने कहा, 'एआई वाली चीज बहुत डरावनी हो गई है। इंटरनेट पर महिलाओं को सेक्सुअलाइज करने के लिए ऐप बनाना बहुत ही खतरनाक है। मेरे और विजय सर की एक तस्वीर को एआई वीडियो में बदल दिया गया, जैसे हम गले मिल रहे हों। जिसके बाद मुझे बताना पड़ा कि ऐसा कभी हुआ ही नहीं। ज्यादातर लोग यह समझ ही नहीं पाते हैं कि यह सब एआई से किया गया है।' पैपराजी के वीडियो और वायरल क्लिप्स के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'लोग सहमति को नहीं समझते। बिना पूछे आप किसी का वीडियो या फोटो नहीं ले सकते। आप जानते हैं कि यह गलत है, फिर भी किसी का 'oops' मूमेंट कैप्चर करके उसे पोस्ट कर देते हैं।

हालांकि कई फोटोग्राफर उनकी सीमाओं का सम्मान करते हैं। जब वह किसी फोटो को पोस्ट ना करने को कहती हैं, तो वे मान जाते हैं और उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट नहीं करते हैं।' आयशा खान हाल ही में धुरंधर के 'शरारत' गाने में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ क्रिस्टल डिसूजा ने भी परफॉर्म किया था। यह गाना सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ।

द केरल स्टोरी 2- गोज बियॉन्ड' का दूसरा गाना हुआ रिलीज, 27 को को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

पहले पार्ट 'द केरल स्टोरी' ने अपनी बेबाक कहानी से देशभर में बहस छेड़ दी थी। अब इसका सीक्वल उससे भी ज्यादा इंटेंस नजर आ रहा है। हाल ही में इस फिल्म का दूसरा गाना 'ओ माई री' रिलीज किया गया है।

'ओ माई री' गाना मां और बच्चे के रिश्ते को समर्पित है। यह गाना मां के उस निस्स्वार्थ प्यार, सुरक्षा और अपनेपन को महसूस कराता है, जो हर बच्चे के लिए सबसे बड़ा कवच होता है। मन्नन शाह का सोलफुल म्यूजिक और मनोज मुंतशिर के इमोशनल लिरिक्स इस गाने को और भी खास बना देते हैं। फिल्म का टीजर पहले पार्ट से कहीं ज्यादा शार्प और इंटेंस नजर आ रहा है। नेशनल अवॉर्ड जीत चुके निर्देशक कामाख्या नारायण सिंह की यह फिल्म तीन हिंदू लड़कियों की कहानी दिखाती है। इन किरदारों को उल्का गुप्ता, ऐश्वर्या ओझा और अदिति भाटिया ने निभाया है। कहानी तब और डार्क मोड़ पर पहुंचती है, जब ये तीनों लड़कियां दूसरे धर्म के युवकों के साथ रिलेशनशिप में आती हैं। जो कहानी प्यार से शुरू होती है, वह धीरे-धीरे एक डरावनी सच्चाई में बदल जाती है, जहां धर्मांतरण जैसे गंभीर मुद्दे सामने आते हैं। 'द केरल स्टोरी 2 -गोज बियॉन्ड' को विपुल अमृतलाल शाह ने प्रोड्यूस किया है। वहीं आशिन ए शाह ने इसे सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले को-प्रोड्यूस किया है। फिल्म 27 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सामने आई सनी देओल अभिनीत लाहौर 1947 की रिलीज डेट, आमिर बोले- 'यह धर्मेंद्र की पसंदीदा स्क्रिप्ट थी'

आमिर खान प्रोडक्शंस ने अपनी अपकमिंग पीरियड ड्रामा फिल्म लाहौर 1947 की रिलीज की तारीख का एलान कर दिया है। यह पहली फिल्म है जिसमें सनी देओल, निर्देशक राजकुमार संतोषी और निर्माता आमिर खान एक साथ काम कर रहे हैं। यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस के करीब 13 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

लाहौर 1947 में सनी देओल, शबाना आजमी, प्रीति जिंटा और करण देओल अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का म्यूजिक एआर रहमान ने दिया है। इसके गाने जावेद अख्तर ने लिखे हैं।

यह खबर भी पढ़ें- पैपराजी पर भड़कीं आयशा खान, बोलीं- वो सहमति का मतलब नहीं जानते' एआई के गलत इस्तेमाल को भी बताया खतरनाक

आपको बता दें कि सनी देओल हाल ही में फिल्म बॉर्डर 2 में नजर आए। इसमें उनके साथ वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी अहम किरदारों में थे। यह फिल्म 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर इसने अच्छा कलेक्शन किया है। सनी देओल जल्द ही इक्का, रामायण 1 और रामायण 1 का हिस्सा होंगे।

सामने आई कोंकणा सेन शर्मा की अक्यूज्ड की रिलीज डेट

मेकर्स ने सोमवार, 9 फरवरी 2026 को अक्यूज्ड की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है। इसे 27 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया जाएगा। इसकी कहानी सीमा अग्रवाल और यश केसवानी ने लिखी है। इसे करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, सोमेन मिश्रा ने धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। अक्यूज्ड लंदन की एक इज्जतदार डॉक्टर की कहानी है। डॉक्टर की जिंदगी तब बिखरने लगती है जब उस पर यौन दुराचार का आरोप लगता है। जैसे-जैसे जांच तेज होती है वैसे-वैसे उसकी मुश्किलें बढ़ती हैं।

कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा अपनी अपकमिंग फिल्म अक्यूज्ड को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में इसका टीजर रिलीज हुआ, जिसे दर्शकों ने पसंद किया है। अब इसकी रिलीज डेट सामने आ गई है। अनुभूति कश्यप के निर्देशन में बनी साइकोलॉजिकल थ्रिलर सीरीज 27 फरवरी 2026 को रिलीज होगी।

मेकर्स ने सोमवार, 9 फरवरी 2026 को अक्यूज्ड की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है। इसे 27 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया जाएगा।

इसकी कहानी सीमा अग्रवाल और यश केसवानी ने लिखी है। इसे करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, सोमेन मिश्रा ने धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले प्रोड्यूस किया है।

अक्यूज्ड लंदन की एक इज्जतदार डॉक्टर की कहानी है। डॉक्टर की जिंदगी तब बिखरने लगती है जब उस पर यौन दुराचार का आरोप लगता है। जैसे-जैसे जांच तेज होती है वैसे-वैसे उसकी मुश्किलें बढ़ती हैं। जांच उसके रिश्तों और इज्जत पर असर डालती है। फिल्म में दिखाया गया है कि जब सच्चाई का पता न हो तो धारणाएं जल्दी हावी होने लगती हैं। एक महिला को आरोप के केंद्र में रखकर बनाई गई फिल्म अक्यूज्ड बेचैनी और शक की कहानी दिखाती है।

फिल्म अक्यूज्ड प्रतिभा रांटा की दूसरी फिल्म है। इससे पहले वह 2023 में किरण राव की फिल्म लापता लेडीज में नजर आई थीं।

खेत से मंडी तक आसान राह: किसानों के लिए नई उम्मीद

लोकसभा में सांसद दर्शन सिंह चौधरी का सवाल, केंद्र ने दी स्पष्ट नीति

होशंगाबाद-नरसिंहपुर। किसानों को खेतों से मुख्य सड़कों और बाज़ारों तक अपने कृषि उत्पाद सुरक्षित और सुगमता से पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सामने आई है। होशंगाबादङ्कनरसिंहपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी द्वारा लोकसभा में पूछे गए अतारांकित प्रश्न क्रमांक 1818 के जवाब में केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि किसानों की परिवहन संबंधी समस्याओं से सरकार भली-भांति परिचित है और इस दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

ग्रामीण अवसंरचना पर विशेष जोर : ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री कमलेश पासवान ने सदन में जानकारी देते हुए बताया कि विकसित भारत रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) — वीबी-जी राम-जी अधिनियम, 2025 के तहत ग्रामीण क्षेत्रों की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया गया है।

अधिनियम की अनुसूची-1 में ग्रामीण सड़कों, पुलियों, जल निकासी संरचनाओं तथा ग्राम संपर्क सुविधाओं के निर्माण और उन्नयन को अनुमेय कार्यों में शामिल किया गया है। इससे गांवों को मुख्य मार्गों से जोड़ने की प्रक्रिया और अधिक प्रभावी होगी।

फार्म रोड निर्माण को मिली प्राथमिकता : केंद्र सरकार ने अपने उत्तर में स्पष्ट किया कि ग्राम पंचायतों की आवश्यकताओं और कृषि उत्पादन क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण सड़कों—जिनमें फार्म रोड भी शामिल हैं—के निर्माण और उन्नयन के कार्य प्रारंभ किए जा सकते हैं।

फार्म रोड बनने से किसानों को कई स्तरों पर लाभ मिलेगा। खेतों से मंडी तक फसल पहुँचाने में लगने वाला समय और लागत कम होगी, कृषि उपकरणों और आधुनिक मशीनरी की खेतों तक पहुँच आसान होगी तथा खराब मौसम में भी परिवहन व्यवस्था बाधित नहीं होगी। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

किसानों और मजदूरों के लिए वरदान- सांसद : सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने इस उत्तर पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मार्गदर्शन में लिया गया यह निर्णय किसानों और ग्रामीण मजदूरों के लिए वरदान साबित होगा।

उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक होगी, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन को भी गति देगी। विकसित भारत @2047 के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

क्षेत्र में क्रियान्वयन के लिए समन्वय : सांसद चौधरी ने भरोसा दिलाया कि वे अपने लोकसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायतों के साथ समन्वय स्थापित कर इस योजना का अधिकतम लाभ किसानों तक पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे। उनका कहना है कि जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन ही इस योजना की सफलता की कुंजी होगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सड़क संपर्क से किसानों को आर्थिक मजबूती मिलने की उम्मीद है और यह पहल गांवों की तस्वीर बदलने में अहम भूमिका निभा सकती है।

महाशिवरात्रि महोत्सव में सजा नंद उत्सव, भक्ति रस में डूबा मंदिर परिसर

पंचवटी महिला मंडल की भजन प्रस्तुति ने बांधा समां, तीन माह के बालक को कृष्ण स्वरूप में सजाकर मनाया जन्मोत्सव

इटारसी। महाशिवरात्रि महोत्सव के तहत शिक्षक कॉलोनी स्थित भगवान भोलेनाथ मंदिर परिसर में शिव धाम समिति द्वारा श्रद्धा और उल्लास के साथ नंद उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पंचवटी महिला मंडल ने भजनों की मनमोहक प्रस्तुति देकर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

महिला मंडल द्वारा प्रस्तुत भजनों में 'जय भोलेनाथ' की गूंज के साथ भगवान श्रीराम और माता दुर्गा के भजन भी श्रद्धा भाव से गाए गए। इसके साथ ही भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव नंद उत्सव के रूप में बड़े ही धूमधाम से मनाया गया।

नंद उत्सव के विशेष आकर्षण के रूप में तीन माह के बालक आराध्या शर्मा को भगवान श्रीकृष्ण के स्वरूप में सजाया गया। नन्हे कान्हा के रूप में सजे बालक को देख उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। सैकड़ों महिलाओं ने बालक को गोद में लेकर दुलार किया, चरण स्पर्श कर पुष्प वर्षा की और कृष्ण भक्ति में लीन होकर भजन-कीर्तन एवं नृत्य किया।

पूरे मंदिर परिसर में भक्तिरस की ऐसी धारा बही कि हर ओर उल्लास और आस्था का अद्भुत संगम दिखाई दिया। उल्लेखनीय है कि महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर मंदिर परिसर में लगातार धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आगामी 15 फरवरी को भगवान भोलेनाथ की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, वहीं 16 फरवरी को विशाल भंडारे के साथ महाशिवरात्रि महोत्सव का समापन होगा।

एटीएम सुविधा बहाल करने की मांग को लेकर वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ ने मंडल रेल प्रबंधक को लिखा पत्र

रेलवे कर्मचारियों के हित में कदम

इटारसी। वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ ने रेलवे कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इटारसी स्थित नया यार्ड (डीजल शेड/इलेक्ट्रिक शेड) परिसर में एटीएम सुविधा पुन: शुरू करने की मांग उठाई है। इस संबंध में संघ के पदाधिकारियों ने मंडल रेल प्रबंधक के नाम एक विस्तृत पत्र प्रेषित कर शीघ्र आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

सैकड़ों कर्मचारी और परिवार होंगे लाभान्वित

उल्लेखनीय है कि इटारसी का नया यार्ड, डीजल शेड एवं इलेक्ट्रिक शेड रेलवे का प्रमुख कार्यस्थल है, जहां प्रतिदिन सैकड़ों रेलवे कर्मचारी अपनी सेवाएं देते हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त कर्मचारी भी आसपास की कॉलोनियों—इंदिरा कॉलोनी, साईं नगर कॉलोनी, वैशाली कॉलोनी सहित अन्य आवासीय क्षेत्रों—में निवासरत हैं।

पूर्व में इन शेड क्षेत्रों में एटीएम की सुविधा उपलब्ध थी, जिससे कर्मचारियों और उनके परिवारों को नगद राशि निकालने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती थी। किंतु वर्तमान में यह सुविधा बंद पड़ी है, जिससे कर्मचारियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

7 किलोमीटर की दूरी और सुरक्षा का सवाल

संघ ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि वर्तमान स्थिति में नया यार्ड से इटारसी शहर तक लगभग 7 किलोमीटर की दूरी तय कर कर्मचारियों को एटीएम की सुविधा लेनी पड़ती है। विशेषकर रात्रिकालीन ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों के लिए यह स्थिति और भी अधिक चुनौतीपूर्ण एवं जोखिमपूर्ण बन जाती है।

रात के समय आकस्मिक रूप से रुपये की आवश्यकता पड़ने पर इतनी दूर आना-जाना न केवल असुविधाजनक है, बल्कि सुरक्षा की दृष्टि से भी खतरनाक साबित हो सकता है। संघ का कहना है कि रेलवे प्रशासन को कर्मचारियों की इन व्यावहारिक समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र समाधान करना चाहिए।

कर्मचारियों के हित में निरंतर सक्रिय संघ

वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के महामंत्री अशोक शर्मा ने सदैव कर्मचारियों के हितों को प्राथमिकता दी है। संघ का स्पष्ट उद्देश्य है कि रेलवे कर्मचारियों को उनका अधिकार और आवश्यक सुविधाएं समय पर मिलें। मंडल अध्यक्ष आर. के. शर्मा एवं मंडल सचिव कमलेश परिहार के नेतृत्व में यह पहल आगे बढ़ाई गई। इस तारतम्य में इटारसी के शीर्ष नेतृत्व—मंडल कोषाध्यक्ष भागीरथ मीणा, उप मंडल अध्यक्ष संतोष चतुर्वेदी एवं मंडल संगठक प्रीतम तिवारी—ने सभी शाखाओं के अध्यक्ष एवं सचिवों के साथ मिलकर मंडल रेल प्रबंधक के नाम पत्र प्रेषित किया। पत्र में मांग की गई है कि पूर्व की भांति नया यार्ड/शेड परिसर में एटीएम सुविधा शीघ्र बहाल की जाए, ताकि कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों को राहत मिल सके।

संघ की स्पष्ट मांग—शीघ्र हो कार्रवाई

संघ पदाधिकारियों ने आशा व्यक्त की है कि मंडल रेल प्रबंधक कर्मचारियों की इस न्यायसंगत मांग पर सकारात्मक निर्णय लेते हुए आवश्यक निर्देश जारी करेंगे। उनका कहना है कि एटीएम सुविधा कोई विलासिता नहीं, बल्कि मूलभूत आवश्यकता है, विशेषकर ऐसे क्षेत्र में जहां बड़ी संख्या में कर्मचारी कार्यरत हैं। उक्त जानकारी मंडल संगठक प्रीतम तिवारी द्वारा दी गई।

कर्म का महत्व बताते हुए विद्यार्थियों के लिए भागवद गीता पर सत्र

संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में आयोजित विशेष सत्र

संत हिरदाराम नगर। जीवन में कर्म का महत्व सर्वोपरि है; कर्मयोग का पालन करते हुए ही उच्च सफलता को प्राप्त किया जा सकता है। ये उदगार थे संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में आयोजित विशेष सत्र भागवद गीता से सीख की मुख्य वक्ता न्यूयॉर्क से पधारीं सुश्री शर्मीला सानी के, जिन्होंने अत्यंत ही रोचक तरीके से छात्राओं को उक्त विषय पर विस्तार से समझाया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में अमेरिका से आये सुनील सानी एवं नारी पोहानी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, जिसमें अतिथियों ने माँ सरस्वती, भारत माता एवं संत हिरदाराम जी साहिब की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया एवं वंदन किया। अतिथियों का स्वागत तुलसी के पौधे भेंट कर किया गया। सुश्री शर्मीला सानी ने सर्वप्रथम ध्यान की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में धर्म एवं कर्तृतव्य पर फोकस करना चाहिए। उन्होंने कहा अपने कार्य को सर्वश्रेष्ठ तरीके से करें एवं फल की इच्छा न करें। अच्छे कर्म हमेशा अच्छे परिणाम लाते हैं। धर्म को परिभाषित करते हुए उन्होंने कहा कि अपनी जिम्मेदारी सही तरीके से, सही समय एवं सही जगह कारण ही धर्म है। योग के माध्यम से हम अपने आप के सर्वश्रेष्ठ से मिल सकते हैं। उन्होने यह भी कहा कि परिणाम अपने वश में नहीं है, पर कर्म पर अपना अधिकार है। उन्होंने छात्राओं को जीवन में कर्तव्यनिष्ठ रहने और परिणाम की चिंता किए बिना कर्म करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि आधुनिक जीवन की चुनौतियों में गीता मनुष्य को संतुलन और शांति सिखाती है। अपने सत्र में उन्होने श्री कृष्ण एवं अर्जुन के संवाद के माध्यम से जीवन मूल्य पर प्रकाश डाला एवं कहा कि आज के परिपेक्ष्य में भागवद गीता के प्रत्येक उपदेशों में जीवन की सार्थकता का सम्पूर्ण समावेश है। श्री नारी पोहानी ने अपने उद्बोधन में दृढ़ता के साथ प्रार्थना विषय पर उद्देश्यपूर्ण तरीके से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में सभी छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और गीता के उपदेशों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। सत्र के अंत में प्रश्नोत्तर आयोजित किया गया, जिसमें छात्राओं की जिज्ञासाओं का सार्थक रूप से समाधान किया गया। कार्यक्रम में जीव सेवा संस्थान के सचिव श्री महेश दयारमानी, संत हिरदाराम महाविद्यालय समूह संस्थाओं के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री हीरो ज्ञानचंदानी, संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट के डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर, संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. डालिमा पारवानी, संत हिरदाराम कॉलेज ऑफ़ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंस के प्रिंसिपल डॉ. अंकेश सिंह मुख्य रूप से उपस्थित थे। छात्राओं ने एवं शिक्षक गणों ने इस प्रकार के प्रेरणादायक सत्र को अपने व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत उपयोगी बताया और भविष्य में भी ऐसे सत्र आयोजित करने की बात कही। सत्र का संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. चित्रा दारानी ने किया।

महाशिवरात्रि पर शिव मंडली द्वारा दो दिवसीय मेले का आयोजन

14 फरवरी को मेले का उद्घाटन करेंगे सिद्ध भाऊ

संत हिरदाराम नगर। मंदिर परिसर में 14 फरवरी को शाम 4 से 6 बजे तक सुंदरकाण्ड का पाठ भी रखा गया है। परमहंस संत हिरदाराम साहिब जी के आशीर्वाद एवं भगत नथुरमल जी की प्रेरणा से शिव मंदिर स्टेशन रोड संत हिरदाराम नगर में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी महाशिवरात्रि पर्व बड़ी धूम-धाम से मनाया जायेगा, इस वर्ष शिव मण्डली द्वारा दो दिवसीय मेले का आयोजन किया गया है। 14 फरवरी को मेले का उद्घाटन परम श्रद्धेय सिद्ध भाऊ जी एवं अतिथि अभिषेक कर शाम को 6:00 बजे किया जायेगा। 14 फरवरी को रात्रि 9 बजे से 11 बजे तक राम श्याम म्यूजीकल ग्रुप संत हिरदाराम नगर तथा रात्रि 11 बजे से 4 बजे तक भगत निखिल म्यूजीकल पार्टी उल्लहास नगर वालों की सिंधी भगत का आयोजन किया गया है। 15 फरवरी को सुबह 6 बजे से 10 बजे तक हवन तत्पश्चात् महाआरती होगी तत्पश्चात् 11:00 बजे से 2:00 बजे तक आम भण्डारा एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया है। रात्रि 9 बजे से 12:30 बजे तक भगत निखिल म्यूजीकल पार्टी उल्लहास नगर तत्पश्चात मेले का समापन पल्लव के साथ किया जावेगा जिसमें नगर एवं प्रदेश की खुशहाली

साधु वासवानी महाविद्यालय में वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

संत हिरदाराम नगर। साधु वासवानी स्वषासी महाविद्यालय में स्वर्गीय श्री अजीत डेटानी मेमोरियल वालीबाल प्रतियोगिता का संभागस्तरीयदषम् संस्करण का तीन दिवसीय आयोजन 9 फरवरी को प्रारभ हुआ। वालीबाल प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ0 अषोक राय , अध्ययक्ष योगेन्द्र पुरोहित सचिव जिला वॉलीबाल संघ एवं प्राचार्य कमलनाथ महाविद्यालय भोपाल तथा विषेष अतिथि वासदेव वाधवानी तथा डॉ0 गोपी बजाज, साधु वासवानी एज्यूकेष्नल सोसाइटी के अध्ययक्ष दयालदास डेटानी जी, कोषाध्यक्ष श्री दिनेष वाधवानी जी की उपस्थिति में माँ सरस्वती जी के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं श्री स्व0 अजीत डेटानी की फोटो के माल्यार्पण से प्रारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र में सोसाइटी के अध्यक्ष व सदस्यो द्वारा अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। वॉलीबाल प्रतियोगिता के शुभारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ऐ0के0सिंह द्वारा स्वागत भाषण में सभी अतिथियों का अभिवादन किया तथा कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाष डाला तथा सभी टीमों को शुभाकामनाए दी। साधु वासवानी ऐजुकेष्नल सोसायटी के अध्यक्ष श्री दयालदास डेटानी जी ने सभी खिलाडियों को खेल भावना को सर्वोपरी रख इस प्रतियोगिता में भाग लेने को कहा। तथा सभी टीमों का स्वागत किया । विषेष अतिथि डॉ0 गोपी बजाज ने अपने उद्बोधन में कहा खेल गतिविधियों से हमारा स्वास्थय अच्छा बेहतर रहता है और स्वास्थ शरीर से हम मानसिक रूप से सुदृढ़ होते है इसलिये खेल जीवन का हिस्सा बनना चाहिए।

परीक्षा और कॅरियर - दबाव नहीं, दिशा चाहिए, डर को पीछे छोड़ो, लक्ष्य को आगे रखो

सय्यद असीम अली

12वीं कक्षा की परीक्षा छात्र जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ होती है। यही वह समय होता है जब एक छात्र को यह तय करना होता है कि आगे उसे किस दिशा में जाना है। सही करियर का चुनाव केवल अच्छी नौकरी या सैलरी पाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मसंतोष, सामाजिक सम्मान और भविष्य की स्थिरता से भी जुड़ा होता है। इसलिए एजुकेशन और करियर को लेकर लिया गया निर्णय जीवन की नींव तय करता है।

परीक्षा को उत्सव की तरह लेने का संदेश

जैसे ही परीक्षा का माह शुरू होता है, अधिकतर छात्रों में तनाव बढ़ने लगता है। नींद कम हो जाती है, मन घबराता है और बार-बार यही डर रहता है कि कहीं तैयारी अधूरी न रह जाए। लेकिन यह समझना बहुत ज़रूरी है कि टेंशन लेने से पढ़ाई बेहतर नहीं होती, बल्कि फोकस कमजोर हो जाता है। इसलिए छात्रों को सबसे पहले मानसिक रूप से खुद को शांत और सकारात्मक रखना चाहिए।

परीक्षा के समय सही टाइम टेबल बनाना बेहद ज़रूरी है। पूरे सिलेबस को छोटे-छोटे हिस्सों में बाँटकर रोज़ाना पढ़ाई करें। कठिन विषय सुबह पढ़ें जब दिमाग सबसे ज़्यादा सक्रिय होता है और आसान विषय रात में दोहराएँ। मोबाइल और सोशल मीडिया से दूरी बनाकर रखें, क्योंकि यही सबसे बड़ा ध्यान भटकाने वाला साधन है।

स्वस्थ दिनचर्या भी उतनी ही ज़रूरी है जितनी पढ़ाई। पूरी नींद लें, समय पर भोजन करें और रोज़ थोड़ा-सा व्यायाम या वॉक जरूर करें। इससे दिमाग तरोताज़ा रहता है और याद करने की क्षमता बढ़ती है। बार-बार दूसरों से अपनी तुलना करने से बचें, क्योंकि हर छात्र की क्षमता अलग होती है।

डिग्री के आगे स्किल- जीत उन्हीं की जो खुद को अपग्रेड करें

आज का दौर केवल डिग्री का नहीं, बल्कि स्किल का है। पहले समय में अच्छी डिग्री मिल जाना ही सफलता की गारंटी माना जाता था, लेकिन आज की तेज़ी से बदलती दुनिया में यह सोच पूरी तरह बदल चुकी है। अब कंपनियां केवल यह नहीं देखतीं कि आपने क्या पढ़ा है, बल्कि यह देखती हैं कि आप क्या कर सकते हैं। आपकी प्रैक्टिकल नॉलेज, सोचने की क्षमता और काम करने की शैली ही आपकी असली पहचान बनती है। टेक्नोलॉजी के विकास ने नौकरियों का स्वरूप बदल दिया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स, डिजिटल मार्केटिंग, कंटेंट क्रिएशन जैसे नए क्षेत्र उभर रहे हैं, जिनमें डिग्री से ज्यादा स्किल की मांग है। वहीं कई पारंपरिक नौकरियां धीरे-धीरे खत्म भी हो रही हैं। ऐसे में वही छात्र आगे बढ़ पाएंगे जो समय के साथ खुद को अपडेट करते रहेंगे।

आज सीखने के अवसर हर जगह हैं ङ्क ऑनलाइन कोर्स, वेबिनार, इंटर्नशिप, वर्कशॉप और प्रोजेक्ट्स। जो छात्र पढ़ाई के साथ-साथ नई चीज़ें सीखते हैं, उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है और रोजगार की संभावना भी। इसलिए यह समझना जरूरी है कि डिग्री एक दरवाज़ा है, लेकिन स्किल वह चाबी है जो उस दरवाज़े को खोलती है। जीत उन्हीं की है, जो लगातार खुद को अपग्रेड करते रहते हैं।

भारत में शिक्षा व्यवस्था बहुत विशाल है। वर्तमान में देश में लगभग 24.8 करोड़ छात्र पढ़ाई कर रहे हैं और 14.7 लाख से अधिक स्कूलों में करीब 1 करोड़ शिक्षक कार्यरत हैं। इसका अर्थ यह है कि प्रतियोगिता बहुत ज़्यादा है और केवल डिग्री के भरोसे आगे बढ़ना अब संभव नहीं है। हर छात्र को खुद को अलग साबित करना होगा। आंकड़े यह भी बताते हैं कि करीब 67त्न छात्र पढ़ाई और करियर को लेकर मानसिक दबाव महसूस करते हैं, लेकिन 85त्न छात्र किसी से मदद या काउंसलिंग नहीं लेते। यही कारण है कि बहुत से छात्र अंदर ही अंदर घबराते रहते हैं और जल्दबाज़ी में गलत फैसले कर बैठते हैं।

आज की एक बड़ी समस्या यह है कि छात्र बिना करियर प्लानिंग के आगे बढ़ जाते हैं। लगभग 90त्न भारतीय छात्र बिना सही मार्गदर्शन के करियर चुनते हैं, जबकि केवल 10त्न छात्रों को प्रोफेशनल करियर काउंसलिंग मिल पाती है। बाद में यही छात्र कहते नजर आते हैं ङ्क ÷काश पहले सही सलाह मिल जाती।÷ करियर और रोजगार की हकीकत भी आंख खोलने वाली है।

भारत में केवल 8त्न ग्रेजुएट्स को ही उनकी पढ़ाई के अनुसार नौकरी मिलती है, जबकि ग्रेजुएट युवाओं की बेरोज़गारी दर लगभग 29त्न तक पहुंच चुकी है। इसका साफ मतलब है कि सिर्फ डिग्री से नौकरी की गारंटी नहीं मिलती। यही वजह है कि आज स्किल गैप एक बड़ी समस्या बन चुका है। रिपोर्ट के अनुसार केवल 50त्न से थोड़े ज्यादा छात्र ही जॉब के लिए तैयार (श्वद्वश्चद्यश्4ड्डड्ढद्य) माने जाते हैं। बाकी छात्रों में कम्युनिकेशन स्किल, टेक्नोलॉजी नॉलेज और प्रॉब्लम सॉल्विंग की कमी पाई जाती है। इसलिए अब पढ़ाई के साथ-साथ स्किल डेवलपमेंट बेहद जरूरी हो गया है।

12वीं के बाद करियर चुनते समय छात्रों को अपनी स्ट्रीम के अनुसार विकल्पों को समझना चाहिए। साइंस स्ट्रीम में मेडिकल, इंजीनियरिंग, फार्मेसी, बायोटेक्नोलॉजी, आईटी, डेटा साइंस और रिसर्च जैसे क्षेत्र हैं। कॉमर्स स्ट्रीम में ष्ट, ष्टस्, बैंकिंग, फाइनेंस, मैनेजमेंट, बीबीए और एमबीए जैसे मजबूत विकल्प हैं। आर्ट्स स्ट्रीम में सिविल सर्विस, लॉ, जर्नलिज्म, मास कम्युनिकेशन, साइकोलॉजी, टीचिंग और डिजाइनिंग जैसे अवसर मौजूद हैं। इसके अलावा डिजिटल मार्केटिंग, कंटेंट क्रिएशन, स्टार्टअप और फ्रीलांसिंग जैसे नए क्षेत्र भी तेजी से उभर रहे हैं। कई बार छात्र को यह समझ नहीं आता कि वह किस क्षेत्र में जाए। ऐसे में करियर काउंसलिंग बहुत मददगार साबित हो सकती है। करियर काउंसलर छात्र की रुचि, क्षमता और व्यक्तित्व के आधार पर सही दिशा दिखा सकता है। माता-पिता और शिक्षकों से सलाह लेना भी जरूरी है, लेकिन अंतिम निर्णय छात्र को खुद लेना चाहिए। करियर चुनते समय एक और जरूरी बात है ङ्क समय और धैर्य। सफलता रातों-रात नहीं मिलती। किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए निरंतर सीखना, खुद को अपडेट रखना और असफलताओं से सीखना बहुत ज़रूरी है। आज के समय में करियर बदलना भी सामान्य बात हो गई है, इसलिए गलत फैसले से घबराने के बजाय उससे सीख लेना ज्यादा जरूरी है।

अंत में यही कहा जा सकता है कि आज का समय डिग्री का नहीं बल्कि दिशा, स्किल और आत्मविश्वास का है। जो छात्र खुद को पहचान लेता है, सही जानकारी जुटाता है और लगातार मेहनत करता है, वही असली सफलता हासिल करता है। सही करियर वही है जिसमें केवल पैसा नहीं, बल्कि संतोष, सम्मान और आत्मविश्वास भी मिले।

स्वामी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक विनोद सिंह तोमर द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप 11 कॉम्पलेक्स एमपी नगर जोन-1 भोपाल (म.प्र) से मुद्रित एवं 87, पुट्ठामिट गेट के सामने, छोला रोड, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से प्रकाशित।
संपादक : विनोद सिंह तोमर मो. 7067515898, स्थानीय- संपादक संजय सक्सेना RNI NO. MPHIN/2015/61965 (सभी विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र भोपाल न्यायालय के अंतर्गत ही मान्य होगा।)